

ए चटिठी पौलुस प्रेरति के दुवारा रोम सहर म परमेसर के मनखेमन ला लिखे गे हवय। उहां कलीसिया म यहूदी अऊ आनजात दूनों जाति के बसिवासीमन रहिन। मनखेमन के उद्धार कइसने होथे—ए बसिय ला लेके ए दूनों दल के बीच म कुछू असहमती रहिसि। ए चटिठी के मुख्य भाग म, पौलुस ह एकर बारे म लिखेथे। ए चटिठी ला लिखे के एक उद्देश्य रोम के कलीसिया म जाय के तयारी अय। पौलुस के योजना रहिसि कि ओह कुछू समय तक उहां मसीहीमन के बीच म काम करय अऊ तब ओमन के मदद ले स्पेन देस जावय। चटिठी के सुरू म पौलुस ह रोम सहर के बसिवासीमन ला जोहार कहथे अऊ ओमन ला बताथे कि ओह ओमन बर हमेसा पराथना करत रहथे। तब ओह खास बसिय के बारे म लिखेथे: “सुघर संदेस म परमेसर के धरमीपन ह परगट होय हवय अऊ ए धरमीपन ह यीसू म बसिवास के दुवारा आथे।” बाद म, पौलुस ह ए खास बसिय ला अऊ समझाथे। जम्मो मनखे—यहूदी अऊ आनजात जम्मो ला परमेसर के संग मेल-मिलाप करे के जरूरत हवय, काबरकि जम्मो झन बरोबर पाप के बस म हवय। मनखेमन यीसू मसीह ऊपर बसिवास करे के दुवारा परमेसर के संग मेल-मिलाप कर सकथें। जब कोनो मनखे परमेसर के संग मेल-मिलाप करथे, तब परमेसर के आतमा ह ओला पाप अऊ मरितू के बंधन ले छुटकारा देथे। पौलुस ह ए नतीजा म पहुंचथे कि यहूदीमन के दुवारा यीसू ला अस्वीकार करना घलो परमेसर के योजना के एक भाग रहिसि, ताकि जम्मो मनखेमन ला यीसू मसीह ऊपर बसिवास करे के दुवारा परमेसर के अनुग्रह के अधीन लाने जा सकय। आखिरी म पौलुस ह लिखेथे कि एक मसीही ला कइसने जनिगी जीना चाही, खास करके मया के संग। यहूदी अऊ आनजात बसिवासी मन एक-दूसर ला स्वीकार करय अऊ एक-दूसर संग मया के बरताव करय।

ए चटिठी ला खाल्हे लिखे भाग म बांटे जा सकथे।

परचिय अऊ खास बसिय 1:1-17

उद्धार के जरूरत 1:18-3:20

परमेसर के उद्धार के रसता 3:21-4:25

मसीह म नवां जनिगी 5-8

परमेसर के योजना म इसरायलीमन 9-11

मसीही चाल-चलन 12:1-15:13

आखिरी बात अऊ जोहार 15:14-16:27

1 ए चटिठी ह मसीह यीसू के सेवक पौलुस के तरफ ले अय, जऊन ह प्रेरति होय बर बलाय गे हवय, अऊ परमेसर के सुघर संदेस के परचार करे बर अलग करे गे हवय।

2परमेसर ह बहुत पहिली ले अपन अगमजानीमन के जरथि पबतिर बचन म ए सुघर संदेस के वायदा करे रहिसि। 3ए सुघर संदेस ह ओकर बेटा हमर परभू यीसू मसीह के बारे म अय, जऊन ह मनखे रूप धरके दाऊद के बंस म पैदा होईस, 4अऊ पबतिर आतमा के मुताबकि, ओह सामरथ के संग परमेसर के बेटा ठहरिस, जब परमेसर ह ओला मरे म ले जियाईस। 5ओकरे जरथि हमन ला अनुग्रह अऊ प्रेरति के पद मलिसि, ताकि ओकर नांव के हति म, हमन जम्मो जाति के मनखेमन ला बलावन कि ओमन बसिवास करय अऊ ओकर हुकूम ला मानय। 6तुम्हर घलो गनती ओमन म होथे, जऊन मन यीसू मसीह के होय बर बलाय गे हवय।

7ए चटिठी ह ओ जम्मो झन ला लिखे जावत हे, जऊन मन रोम सहर म हवय अऊ परमेसर के मयारू अय अऊ संत होय बर बलाय गे हवय।

हमर ददा परमेसर अऊ परभू यीसू मसीह कोर्ता ले, तुमन ला अनुग्रह अऊ सांति मलित रहय।

पौलुस के रोम सहर जाय के ईछा

8सबले पहिली, मेंह तुमन जम्मो झन बर यीसू मसीह के दुवारा अपन परमेसर के धनबाद करत हव, काबरकि तुम्हर बसिवास के चरचा जम्मो संसार म होवत

हवय। 9परमेसर, जेकर सेवा मेंह अपन जम्मो हरिदय ले, ओकर बेटा के सुघर संदेस के परचार करे के दुवारा करथंव; ओह मोर गवाह हवय कि मेंह अपन पराथना म हमेसा तुमन ला सुरता करथंव 10अऊ पराथना करथंव कि कोनो कसिम ले, परमेसर के ईछा ले, मोला तुम्हर करा आय के मऊका मलिय।

11तुमन ला देखे के, मोर बहुंत ईछा हवय ताकि मेंह तुम्हर संग कुछ आतमकि बरदान बांट सकव कि तुमन बसिवास म मजबूत होवव। 12मोर कहे के मतलब ए अय कि तुमन अऊ में आपस म एक-दूसरे के बसिवास ले उत्साहित होवन। 13हे भाईमन हो! मेंह तुमन ला बताय चाहथंव कि कतको बार मेंह तुम्हर करा आय के सोचेंव ताकि मोला तुम्हर बीच म परभावसाली रूप से काम करे के मऊका मलिय, जइसने आने आनजातमन के बीच म मोला मलिसि। पर अभी तक ले, मोला तुम्हर करा आय बर रोके गे हवय।

14मेंह यूनानी अऊ गैर यूनानी के अऊ बुद्धिमान अऊ मुख दूनों मनखेमन बर बचनबद्ध हंव। 15एकरसेति, मेंह तुमन ला घलो जऊन मन रोम म रहत हवव, सुघर संदेस सुनाय बर उत्सुक हवंव।

16मेंह सुघर संदेस सुनाय बर नई लजावंव, काबरकि जऊन मन एकर ऊपर बसिवास करथें, ओमन के उद्धार बर एह परमेसर के सामरथ अय: पहिली यहूदीमन बर, तब फेर आनजातमन बर 17काबरकि सुघर संदेस म, परमेसर के धरमीपन ह बसिवास के दुवारा सुरू ले आखरी तक परगट होथे, जइसने परमेसर के बचन म लिखे हवय: “धरमी मनखे ह बसिवास के दुवारा जीयत रहिही।”

मनखे जात ऊपर परमेसर के कोरोध

18परमेसर के कोरोध ह स्वरग ले ओ मनखेमन के जम्मो अभक्ति अऊ बुरई ऊपर परगट होवत हवय, जऊन मन सत ला अपन बुरई के दुवारा दबाय रखथें। 19परमेसर के बारे म जऊन बात जानना चाही, ओ बात साफ हवय, काबरकि परमेसर ह ओ बात

ओमन ऊपर परगट करे हवय। 20जब ले संसार के सरिसिटी होईस, तब ले परमेसर के अनदेखे गुन, ओकर सनातन सकृती अऊ ईसवरीय सुभाव ला साफ-साफ देखे गे हवय अऊ ओकर बनाय चीजमन के दुवारा एला समझे जावत हवय। एकरसेति मनखेमन करा कोनो बहाना नई ए।

21हालाकि ओमन परमेसर ला जानत रहिनि, पर ओमन परमेसर के न तो आदर करनि अऊ न ही ओला धनबाद दीन; ओमन के सोच-बिचार ह बेकार हो गीस अऊ ओमन के मुख हरिदय ह अंधियार हो गीस। 22ओमन अपन-आप ला बुद्धिमान जताईन, पर ओमन मुख बन गीन, 23अऊ अजर-अमर परमेसर के महिमा करे के बदले, ओमन नासमान मनखे, चरिई, पसु अऊ रेंगइया जीव-जन्तु मन के मूर्ती बनावे ओमन के महिमा करनि।

24एकरसेति परमेसर ह ओमन ला ओमन के हरिदय के पापमय ईछा म छोड़ दीस ताकि ओमन बेभिचार करके असुध हो जावंय अऊ आपस म अपन देह के अनादर करंय। 25ओमन परमेसर के सचचई ला लबारी म बदल दीन, अऊ सरिसिटी के पूजा अऊ सेवा करनि, न कि ओ सरिजनहार के, जेकर बड़ई सदाकाल ले होवत हवय। आमीन।

26एकरे कारन परमेसर ह ओमन ला नरिलज वासना म छोड़ दीस। इहां तक कि ओमन के माईलोगनमन सुभावकि संबंध ला छोड़के असुभावकि वासना करन लगनि। 27वइसने मरदमन घलो माईलोगनमन संग सुभावकि संबंध ला छोड़के एक-दूसरे के संग काम वासना म जरेन लगनि; मरदमन दूसर मरद संग नरिलज काम करनि अऊ अपन खराप काम के सजा खुदे भोगनि।

28जब ओमन परमेसर के गयान म बने रहना उचित नई समझनि, त परमेसर ह ओमन ला एक नीच मानसकिता म छोड़ दीस ताकि ओमन अनुचित चाल चलंय। 29ओमन जम्मो कसिम के दुस्टता, बुरई, लोभ अऊ नीचता ले भर गे हवंय। ओमन जलन, हतिया, झगरा, छल अऊ दुरभाव

ले भरे हवय। ओमन बकवादी, 30 बदनाम करइया, परमेसर ले घनि करइया, बेजत्ती करइया, घमंडी अऊ डींगमार अंय। ओमन खराप काम करे के उपाय खोजथें। ओमन अपन दाई-ददा के बात नई मानय। 31 ओमन मुख, बगिर बसिवास के, बगिर मया के अऊ नरिदयी अंय।

32 हालाका ओमन परमेसर के ए फैसला ला जानत हवय की जऊन मन अइसने कुकरम करथें, ओमन मरितू के भागी होहीं, तभो ले ओमन न सरिपि खुदे अइसने काम करथें, पर अइसने काम करइयामन ले ओमन खुस होथें।

परमेसर के नियाय

2 एकरसेती, हे आने ऊपर दोस लगइया मनखे, तेंह चाहे कोनो होवस, तोर करा कोनो बहाना नई ए। आने ऊपर दोस लगाय के दुवारा, तेंह अपनआप ला दोसी ठहरिथस, काबरकी तेंह आने ऊपर दोस लगाथस अऊ ओहीच गलती तेंह खुदे करथस। 2 हमन जानथन की जऊन मन अइसने काम करथें, ओमन के बरिंध म परमेसर के नियाय ह सचुचई के आधार म होथे। 3 जब तेंह एक मनखे होके, ओमन के ऊपर दोस लगाथस अऊ ओहीच काम खुदे करथस, त का तेंह परमेसर के नियाय ले बच जाबे? 4 का तेंह परमेसर के दया, सहनसीलता अऊ धीरज ला तुछ समझथस? का तेंह ए नई जानस की परमेसर के दया ह तोला पछताप करे बर सखिथे?

5 पर तेंह ढीठ अऊ कठोर हो गे हवस अऊ एकर कारन ले परमेसर के कोरोध के दिन बर, जब ओकर सही नियाय ह परगट होही, तेंह अपन बरिंध म कोरोध बटोरत हवस। 6 परमेसर ह हर एक मनखे ला ओकर काम के मुताबकि फर दिही। 7 जऊन मन धीरज धरके बने काम करथें अऊ महिमा, आदर अऊ अमरता के खोज म रहथिं, ओमन ला ओह सदाकाल के जनिगी दिही। 8 पर जऊन मन सुवारथी अंय अऊ सचुचई ला नई मानय, पर बुरई के पाछू चलथें, ओमन ऊपर

परमेसर के कोप अऊ कोरोध ह भड़कही। 9 हर एक मनखे जऊन ह खराप काम करथे, ओकर ऊपर दुःख अऊ बपित्ती आही: पहिली यहूदी तब फेर आनजात ऊपर। 10 पर जऊन ह भलाई करथे, ओला महिमा, आदर अऊ सांती मलिही: पहिली यहूदी ला, तब फेर आनजात ला। 11 काबरकी परमेसर ह काकरो पखयिपात नई करय।

12 ओ जम्मो ज्ञान जऊन मन मूसा के कानून ला बगिर जाने पाप करनि, ओमन बगिर कानून के नास होहीं, अऊ ओ जम्मो ज्ञान जऊन मन मूसा के कानून ला जानके पाप करनि, ओमन के नियाय, कानून के मुताबकि होही। 13 काबरकी परमेसर के आघूम, मूसा के कानून के सुनइयामन धरमी नई ठहरिय, पर मूसा के कानून म चलइयामन धरमी ठहरिय जाहीं। 14 आनजातमन, जेमन करा मूसा के कानून नई ए, जब ओमन सुभाव ले मूसा के कानून के मुताबकि चलथें, त ओमन करा कानून नई होवत घलो, ओमन खुदे अपन बर एक कानून अंय। 15 ओमन मूसा के कानून ला अपन चाल-चलन के दुवारा परगट करथे; ओमन के बविक ह घलो गवाही देथे, अऊ ओमन के सोच-बिचार ह कभू ओमन ला दोसी ठहरिथे, त कभू ओमन के बचाव करथे। 16 मोर सुघर संदेस के मुताबकि ए बात ह ओ दिन परगट होही, जब परमेसर ह मनखेमन के गुप्त बात के नियाय यीसू मसीह के जरयि करही।

यहूदी अऊ मूसा के कानून

17 यदी तेंह अपन-आप ला यहूदी कहथिस अऊ मूसा के कानून ऊपर भरोसा रखथस अऊ तेंह परमेसर के बारे म घमंड करथस, 18 यदी तेंह परमेसर के ईछा ला जानथस अऊ सही बात के पहिचान रखथस, काबरकी तोला मूसा के कानून के सकिछा मलि हवय; 19 यदी तोला भरोसा हवय की तेंह अंधरामन बर डहार दखिइया, अंधियार म परे मनखेमन बर अंजोर, 20 मुखमन के सखिइया अऊ लइकामन के गुरू अस, काबरकी तोला मूसा के कानून के पूरा गयान अऊ सत मलि हवय

- 21तब, जब तेंह आने मन ला सखिथस, त का अपन-आप ला नई सीखोवस? तेंह उपदेस देथस कि चोरी झन करव, त का तेंह खुदे चोरी करथस? 22तेंह कहथिस कि छिनारी झन करव अऊ का तेंह खुदे छिनारी करथस? तेंह मूरतीमन ले घनि करथस अऊ का तेंह खुदे मंदिरमन ला लूटथस? 23तेंह मूसा के कानून के बारे म घमंड करथस अऊ का तेंहीच ह कानून ला टोरके परमेसर के अनादर करथस? 24जइसने परमेसर के बचन म लिखे हवय: “तुम्हर कारन आनजात म परमेसर के ननिंदा होवत हवय।”

25यदि तेंह मूसा के कानून के पालन करथस, त तोर खतना के मतलब हवय, पर यदि तेंह कानून के पालन नई करस, त तोर खतना ह बिगिर खतना के सहीं हो जाथे। 26ओ मनखे जऊन मन खतना नई करवाय हवय, यदि ओमन कानून के मुताबकि चलथें, त का ओमन खतना करवाय मनखे सहीं नई माने जाहीं? 27तब जऊन मन सारीरकि रूप ले खतना नई करवाय हवय, ओमन तुमन ला दोसी ठहराहीं, काबरकि ओमन कानून ला मानथें, पर तुमन कानून ला नई मानव, हालाकि तुम्हर करा लिखित कानून हवय अऊ तुमन खतना करवाय हवव।

28ओ मनखे ह सही यहूदी नो हय, जऊन ह सरिपि बाहरी रूप ले यहूदी अय, अऊ ओ खतना ह सही खतना नो हय जऊन ह सरिपि बाहरी अऊ सारीरकि अय। 29पर सही यहूदी ओ मनखे अय, जऊन ह भीतरी रूप ले यहूदी अय अऊ सही खतना ओह अय, जऊन ह हरिदय म पबितर आत्मा के दुवारा होथे, सरीर म नई होवय। अइसने मनखे के बड़ई मनखेमन के दुवारा नई, पर परमेसर के दुवारा होथे।

परमेसर बसिवासयोग्य अय

3 तब यहूदी होय के का फायदा या खतना करवाय के का महत्व हवय? 2हर किसिम ले बहुत फायदा हवय। सबले पहिली यहूदीमन ला परमेसर के बचन सऊपे गीस। 3यदि ओम ले कुछू झन बसिवासघाती

नकिरनि, त का होईस? का ओमन के बसिवासघाती होय ले परमेसर ह बसिवास के लइक नई रहय? 4बलिकुल ही नई! परमेसर ह सच्चा अऊ जम्मो मनखेमन लबरा अय। जइसने कि परमेसर के बचन म लिखे हवय: “ताकि तेंह अपन बात म सही साबति हो जा, अऊ तोर नियाय म, तोला जीत मिलिय।”

5पर यदि हमर अधरम ह परमेसर के धरमीपन ला जादा साफ-साफ देखाथे, त हमन का कहन? का ए कहन, कि परमेसर ह हमर ऊपर कोरोध करके अनियाय करथे? (मेंह एला मनखे के सोच के मुताबकि कहत हंव।) 6बलिकुल ही नई! यदि परमेसर ह अनियायी होतसि, त ओह संसार के नियाय कइसने कर सकही? 7यदि मोर लबारी के कारन परमेसर के सच्ची अऊ महिमा ह बढ़थे, त फेर मेंह काबर एक पापी के सहीं दोसी ठहराय जावत हंव? 8“तब आवव, हमन बुरई करन कि भलाई होवय”—जइसने कि कुछू मनखेमन हमर ऊपर दोस लगाके कहथें कि हमन अइसने कहथिन। अइसने मनखेमन ला दोसी ठहराय जाना उचित अय।

कोनो मनखे धरमी नो हय

9त फेर हमन का कहन? का हम यहूदीमन आने मन ले बने हवन? बलिकुल नई! काबरकि हमन पहिली ए दोस लगा चुके हवन कि यहूदी अऊ आनजात जम्मो मनखे मन पाप के अधीन हवय। 10जइसने कि परमेसर के बचन म लिखे हवय:

“कोनो धरमी नो हय, एको झन घलो नई।

11 कोनो नई समझाय, कोनो परमेसर के खोज नई करय।

12जम्मो झन भटक गे हवय

अऊ एक संग ओमन बेकार हो गे हवय।

कोनो भलाई नई करय,
एको झन घलो नई।”

13“ओमन के टोंटा ह खुले कबर अय,

ओमन के जीभ ह छल कपट के बात करथे।”

“ओमन के होंठ म करैत सांप के जहर हवय।”

14 “ओमन के मुहू ह सराप अऊ करूपन ले भरे हवय।”

15 “ओमन के गोड़ ह लहू बोहाय बर तेज भागथे,

16 ओमन के डहार म नास अऊ दुरगती हवय,

17 अऊ ओमन सांत के रसता ला नई जानंय।”

18 “ओमन के आंखी के आघू म परमेसर के डर नई अय।”

19 हमन जानत हवन क मूसा के कानून ह जऊन कुछू कहथि, ओह ओमन ला कहथि जऊन मन कानून के अधीन हवय, ताका हर एक के मुहू ह बंद हो जावय अऊ जम्मो संसार ह परमेसर के दंड के अधीन रहय। 20 एकरसेती मूसा के कानून ला माने के दुवारा कोनो परमेसर के नजर म धरमी नई ठहरिय, पर कानून के जरिये मनखे ह पाप के पहिचान करथे।

बसिवास के दुवारा धरमीपन

21 पर अब परमेसर ह परगट करे हवय का मनखेमन ओकर नजर म बगिर कानून के कइसने धरमी हो सकथे; एकर गवाही, मूसा के कानून अऊ अगमजानीमन देखें। 22 परमेसर के ए धरमीपन ओ जम्मो झन ऊपर यीसू मसीह म बसिवास के दुवारा आथे, जऊन मन ओकर ऊपर बसिवास करथे। एम कुछू भेदभाव नई ए। 23 काबरका जम्मो झन पाप करे हवय अऊ ओमन परमेसर के महिमा ले अलग हवय, 24 अऊ परमेसर ह सेंटमेंट म अपन अनुग्रह ले मनखेमन ला धरमी ठहराईस अऊ ओमन ला पाप ले मुक्ती दीस, अऊ पाप ले ए मुक्ती ह मसीह यीसू के दुवारा आईस। 25 परमेसर ह यीसू ला एक बलादान के रूप म दे दीस, जऊन ह अपन लहू बहाय के दुवारा पाप के पछताप करसि अऊ जऊन ह ए बात ला बसिवास करथे, ओकर

पाप ह छेमा होथे। ए किसिम ले परमेसर ह अपन धरमीपन ला देखाईस, काबरका अपन धीरज धरे के कारन, परमेसर ह ओ पापमन के दंड नई दीस, जऊन ला पहिली जुग म करे गे रहिसि। 26 परमेसर ह ए काम ला एकरसेती करसि, ताका ए समय म, ए साबति हो जावय का ओह धरमी अय अऊ ओह ओ मनखे ला सही ठहराथे, जऊन ह यीसू ऊपर बसिवास करथे।

27 तब हमर घमंड कई कहां रहिसि? एकर बर तो जगह नई ए। कोन नियम के आधार म? का कानून ला माने के आधार म? नई, पर बसिवास के आधार म। 28 काबरका हमन ए मानथन कि मनखे ह कानून ला माने के दुवारा नई, पर मसीह यीसू म बसिवास करे के दुवारा सही ठहरिथे। 29 का परमेसर ह सरिपि यहूदीमन के परमेसर अय? का ओह आनजातमन के घलो परमेसर नो हय? हव, ओह आनजातमन के घलो परमेसर अय। 30 जब सरिपि एक परमेसर हवय, जऊन ह खतना करइयामन (यहूदीमन) ला बसिवास के दुवारा अऊ बगिर खतना करइयामन (आनजातमन) ला घलो ओहीच बसिवास के दुवारा सही ठहराही, 31 त का हमन ए बसिवास के दुवारा कानून ला बेकार कर देवन? बलिकुल नई! पर, हमन कानून ला बनाय रखथन।

अब्राहम ह बसिवास के दुवारा सही ठहरिथे

4 तब हमन का कहन—हमर पुरखा अब्राहम के ए बसिय म का अनुभव रहिसि? 2 यदि अब्राहम ह अपन काम के दुवारा सही ठहराय जातसि, त ओकर करा घमंड करे के कुछू बात होतसि, पर परमेसर के आघू म ओह घमंड नई कर सकय। 3 परमेसर के बचन ह का कहथि: “अब्राहम ह परमेसर के ऊपर बसिवास करसि अऊ ए बात ह ओकर बर धरमीपन गने गीस।”

4 जब कोनो मनखे ह बुता करथे, त ओला बनी देना, दान नई समझे जावय, पर एला ओकर हक समझे जाथे। 5 पर जऊन मनखे

ह काम नई करय, पर परमेसर के ऊपर बसिवास करथे जऊन ह अधरमी ला सही ठहरिथे, ओ मनखे बर ओकर बसिवास ह धरमीपन के रूप म गने जाथे। 6जऊन मनखे ला परमेसर ह बगिर करम के धरमी ठहरिथे, ओला दाऊद राजा घलो धइन कहथि:

7“धइन अंय ओमन, जऊन मन के अपराध छेमा करे जाथे,
अऊ जऊन मन के पाप तोपे जाथे।

8धइन अय ओ मनखे,
जेकर पाप के हिसाब परभू ह नई करय।”

9ए धइन कहई—का सरिपि खतना करइयामन बर अय, या फेर बगिर खतना करइयामन बर घलो? हमन कहथिन की अब्राहम के बसिवास ह ओकर बर धरमीपन गने गीस। 10तब ओह कोन दसा म धरमी गने गीस? ओकर खतना के बाद या फेर ओकर खतना के पहिली? खतना के बाद नई, पर खतना के पहिली ओह धरमी गने गीस। 11अब्राहम के खतना ह ओकर धरमीपन के एक चनिहां या मुहर के रूप म रहिसि, पर ओह अपन बसिवास के कारन धरमी ठहरिय गीस, जब ओह बगिर खतना के दसा म रहिसि। एकरसेति, ओह ओ जम्मो इन के ददा ए, जऊन मन बगिर खतना करवाय बसिवास करथे, अऊ ए किसिम ले ओमन घलो धरमी ठहरिथे। 12अऊ ओह ओ खतना करइयामन के घलो ददा ए, जऊन मन न सरिपि खतना कराय हवय, पर ओ बसिवास के रसता म चलथे, जऊन म हमर ददा अब्राहम ह अपन खतना के पहिली चलसि।

13जब परमेसर ह अब्राहम अऊ ओकर बंस ले परतगियां करसि की ओमन संसार के वारसि होहीं, त एह मूसा के कानून के दुवारा नई मलिसि, पर एह अब्राहम के बसिवास के धरमीपन के दुवारा मलिसि। 14जऊन मन कानून के पालन करथे, यदी ओमन वारसि अंय, त फेर बसिवास ह बनि मतलब के अय अऊ परतगियां ह बेकार अय। 15काबरकी

कानून ह परमेसर के कोरोध ला पैदा करथे। अऊ जहिं कानून नई ए, उहां कानून ला माने के सवाल ही नई ए।

16एकरसेति, परतगियां ह बसिवास ऊपर आधारति हवय, ताकी एह अनुग्रह के दुवारा होवय अऊ अब्राहम के जम्मो संतानमन एला जरूर पावय, अऊ न सरिपि ओमन जऊन मन कानून के पालन करथे, पर ओमन घलो पावय जऊन मन अब्राहम के सही बसिवास करथे। ओह हमन जम्मो इन के ददा अय। 17जइसने की परमेसर के बचन म लिखे हवय: “मेंह तोला बहुत जाति के मनखेमन के ददा ठहरिय हवय।” अब्राहम ह परमेसर के नजर म हमर ददा अय; ओ परमेसर जेकर ऊपर अब्राहम ह बसिवास करसि, ओ परमेसर जऊन ह मुरदामन ला जियाथे अऊ ओ चीजमन ला बनाथे, जेमन के असततिव नई ए।

18अब्राहम ह नरिसा म घलो आसा रखके बसिवास करसि अऊ एकरसेति, ओह बहुत जाति के मनखेमन के ददा बन गीस, जइसने की परमेसर के बचन म ओकर बारे म ए कहे गे हवय, “तोरे संतानमन अइसने (अनगनित) होहीं।” 19अब्राहम ह करीब एक सौ साल के रहिसि, तभो ले ओह अपन मरे सही सरीर अऊ सारा के बांझपन ला जानके घलो अपन बसिवास म कमजोर नई होईस। 20ओह अपन बसिवास म नई डगमगाईस अऊ परमेसर के परतगियां के बारे म ओह संदेह नई करसि। पर ओह अपन बसिवास म मजबूत होईस अऊ परमेसर के महिमा करसि। 21अऊ ओह पूरा-पूरी जानत रहिसि की जऊन बात के परतगियां परमेसर ह करे हवय, ओला पूरा करे के ओह सामरथ रखथे। 22ए बसिवास के सेति परमेसर ह अब्राहम ला धरमी मानसि। 23“ओह धरमी माने गीस”, ए बचन ह सरिपि ओकरे बर ही नई लिखे गीस, 24पर हमर बर घलो। परमेसर ह हमन ला घलो धरमी गनही, जऊन मन ओकर ऊपर बसिवास करथन, जऊन ह हमर परभू यीसू ला मरे म ले जियाईस। 25यीसू ह हमर पाप के खातिर मार डारे गीस

अऊ हमन ला धरमी ठहरिय बर ओला मरे
म ले जीयाय गीस।

सांति अऊ आनंद

5 एकरसेती, जब हमन बसिवास के
दुवारा सही ठहरिय गे हवन, त हमर
अपन परभू यीसू मसीह के जरयि परमेसर के
संग सांति हवय। **2**मसीह के जरयि बसिवास
के दुवारा हमन ए अनुग्रह ला पाय हवन,
जऊन म हमन अब रहथिन। अऊ हमन ह ए
आसा म आनंद मनाथन कि हमन परमेसर के
महिमा के भागी होबो। **3**सरिपि एही भर नई,
पर हमन दुःख-पीरा म घलो आनंद मनाथन,
काबरकी हमन जानथन कि दुःख-पीरा ले
सहनसीलता, **4**सहनसीलता ले बने चाल-
चलन अऊ बने चाल-चलन ले आसा पैदा
होथे। **5**अऊ आसा ह हमन ला नरिस नई
करय, काबरकी परमेसर ह हमन ला पबतिर
आतमा दे हवय, अऊ ए पबतिर आतमा के
जरयि ओह अपन मया ला हमर हरिदय म
डारे हवय।

6जब हमन नरिबल ही रहें, तभे सही
समय म मसीह ह भक्तिहीन मनखेमन बर
मरसि। **7**एह मुसकुल अय की एक धरमी
मनखे बर कोनो मरय, सायद ए हो सकथे
की एक बने मनखे बर कोनो मरे के हिम्मत
करय। **8**पर परमेसर ह हमर बर अपन मया
ला ए कसिम ले देखाथे: जब हमन पापी ही
रहें, तभे मसीह ह हमर बर मरसि।

9जब हमन मसीह के लहू के कारन सही
ठहरिय गे हवन, त फेर ओकर दुवारा हमन
परमेसर के कोरोध ले काबर नई बांचबो?
10काबरकी जब हमन परमेसर के बईरी
रहें, त ओकर बेटा के मरितू के दुवारा
ओकर संग हमर मेल-मिलाप होईस, त फेर
मेल-मिलाप होय के बाद, मसीह के जनिगी
के दुवारा हमन उद्धार काबर नई पाबो?
11सरिपि एहीच नई, पर हमन परमेसर म
घलो, हमर परभू यीसू मसीह के जरयि आनंद
मनाथन, जेकर दुवारा अब परमेसर के संग
हमर मेल-मिलाप होय हवय।

आदम के दुवारा मरितू, मसीह के दुवारा जनिगी

12जइसने की एक मनखे के दुवारा पाप ह
संसार म आईस, अऊ पाप के दुवारा मरितू
आईस, अऊ ए कसिम ले मरितू ह जम्मो
मनखे ऊपर आईस, काबरकी जम्मो इन
पाप करनि। **13**मूसा के कानून ला देय जाय
के पहिली, पाप ह संसार म रहिसि; पर जहिं
कानून नई ए, उहां पाप नई गने जावय।
14तभो ले आदम ले लेके मूसा तक मरितू
ह जम्मो मनखे ऊपर आईस, इहां तक की
ओमन ऊपर घलो मरितू आईस, जऊन मन
आदम सहीं हुकूम ला टोरे के पाप नई करे
रहिनि। आदम ह ओ मनखे के एक नमूना
रहिसि, जऊन ह अवइया रहय।

15पर परमेसर के बरदान ह पाप के सहीं
नो हय। काबरकी यदि एक मनखे के पाप
के कारन बहुते इन मरनि, त परमेसर के
अनुग्रह अऊ बरदान ह बहुते मनखेमन ऊपर
बहुतायत ले आईस। अऊ ए बरदान ह एक
मनखे याने की यीसू मसीह के अनुग्रह के
दुवारा आईस। **16**परमेसर के बरदान अऊ
एक मनखे के पाप के परतफिल एक सहीं नो
हय। एक पाप के पाछू परमेसर के फैसला
आईस अऊ एह दंड लानसि, पर बहुते पाप
होय के पाछू, बरदान आईस अऊ एह नियाय
लानसि। **17**काबरकी यदि एक मनखे के
पाप के कारन मरितू ह ओ एक मनखे के
दुवारा राज करसि, त जऊन मन परमेसर के
अधिकाधिक अनुग्रह अऊ धरमीपन के
बरदान ला बहुतायत म पाईन, ओमन एक
मनखे याने की यीसू मसीह के जरयि जनिगी
म जरूर राज करहीं।

18एकरसेती, जइसने एक पाप ह जम्मो
मनखेमन बर दंड के कारन बनसि, वइसनेच
धरमीपन के एक काम ह घलो नियाय दीस
अऊ ओह जम्मो मनखेमन बर जनिगी
लानसि। **19**जइसने एक मनखे के हुकूम नई
माने के कारन बहुते मनखेमन पापी ठहरनि,
वइसनेच एक मनखे के हुकूम माने के कारन
बहुते मनखेमन धरमी ठहरहीं।

20मूसा के कानून ह दिये गीस, ताकी

पाप ह बढ़य। पर जहिं पाप अधिक होईस, उहां अनुग्रह ओकर ले अऊ जादा होईस, 21ताका जइसने पाप ह मरितू के दुवारा राज करसि, वइसने परमेसर के अनुग्रह ह घलो धरमीपन के दुवारा राज करय, की यीसू मसीह हमर परभू के दुवारा हमन ला सदाकाल के जनिगी मलिय।

पाप बर मर जवई अऊ मसीह म जीयत रहई

6 तब हमन का कहन? का हमन पाप करतेच रहन ताका अनुग्रह अऊ होवय? 2बलिकुल नई। हमन पाप खातरि मर गे हवन; त फेर हमन एम अऊ कइसने जनिगी बता सकथन? 3का तुमन नई जानव की हमन जम्मो झन जऊन मन मसीह यीसू के बतसिमा ले हवन, त हमन ओकर मरितू के बतसिमा ले हवन? 4एकरसेति, हमन मरितू के बतसिमा के दुवारा मसीह के संग गड़ियाय गेन ताका जइसने मसीह ह ददा के महमा के दुवारा मरे म ले जी उठसि, वइसने हमन घलो एक नवां जनिगी जीयन।

5यदी हमन यीसू के मरितू म ओकर संग एक हो गे हवन, त नसिचति रूप ले, ओकर जी उठे म घलो हमन एक हो जाबो। 6हमन जानथन की हमर पुराना सुभाव मसीह के संग कुरस म चघाय गे हवय, ताका पाप के देहें ह नास हो जावय, अऊ हमन फेर पाप के गुलाम झन होवन। 7काबरकी जऊन ह मर गीस, ओह पाप के सकृति ले छूट गीस।

8यदी हमन मसीह के संग मर गेन, त हमन ला बसिवास हवय की हमन ओकर संग जीबो घलो। 9काबरकी हमन जानथन की जब मसीह ह मरे म ले जी उठसि, त ओह अऊ कभू नई मरय। ओकर ऊपर मरितू के अऊ कोनो अधिकार नई ए। 10जऊन मरितू ओह मरसि, त ओह पाप बर एकेच बार जम्मो झन खातरि मर गीस। पर जऊन जनिगी ओह जीयथे, ओह परमेसर बर जीयथे।

11ओही किसिम ले, तुमन घलो अपन-आप ला पाप बर मरे समझव, पर मसीह यीसू म परमेसर बर जीयत समझव। 12एकरसेति, पाप ला अपन नासमान देहें ऊपर अधिकार

झन करन देवव अऊ तुमन एकर खराप ईछा ला झन मानव। 13अपन देहें के अंगमन ला अधरमी काम करे बर पाप ला झन सऊंपव, पर अपन-आप ला मरे म ले जीयत जानके परमेसर ला सऊंप देवव अऊ अपन देहें के अंगमन ला धरमी काम करे बर ओला देय दव। 14तब पाप के परभूता तुमहर ऊपर नई होवय, काबरकी तुमन मूसा के कानून के अधीन नई, पर परमेसर के अनुग्रह के अधीन हवव।

धरमीपन के गुलाम

15त का होईस? का हमन पाप करन काबरकी हमन मूसा के कानून के अधीन नई पर अनुग्रह के अधीन म हवन? बलिकुल नई! 16का तुमन नई जानव की जब तुमन अपन-आप ला गुलाम के रूप म, जेकर हुकूम माने बर सऊंप देखव, त तुमन ओकर गुलाम अव, जेकर हुकूम तुमन मानथव—चाहे पाप के गुलाम, जेकर अंत मरितू अय, या फेर परमेसर के हुकूम माने के गुलाम, जेकर अंत धरमीपन अय। 17पर परमेसर के धनबाद होवय की हालाकी एक समय तुमन पाप के गुलाम रहेव, पर अब तुमन जम्मो हरिदय ले परमेसर के उपदेस के मनइया हो गे हवव, जेकर बर तुमन ला सऊंपे गे हवय। 18तुमन ला पाप के गुलामी ले छोड़ाय गे हवय अऊ तुमन धरमीपन के गुलाम हो गे हवव।

19तुमहर सुभावकी कमजोरी के कारन मेंह मनखे के रीतिमि गोठियावत हंव। एक समय तुमन अपन देहें के अंगमन ला असुधता अऊ बढ़त कुकरम के गुलाम बना दे रहेव; पर अब अपन सरीर के अंगमन ला पबतिरता बर धरमीपन के गुलाम बनावव। 20जब तुमन पाप के गुलाम रहेव, त तुमन धरमीपन के अधीन नई रहेव। 21जऊन बातमन ले तुमन अब लजाथव, ओ बातमन ले तुमन ला पहिली का फायदा होईस? ओ बातमन के नतीजा तो मरितू अय। 22पर अब तुमन पाप ले छोड़ाय गे हवव अऊ परमेसर के गुलाम बन गे हवव। एकर ले जऊन फायदा तुमन ला मलिथे, ओह पबतिरता अय, अऊ एकर

नतीजा परमेसर के संग सदाकाल के जनिगी अय। 23काबरकी पाप के मजदूरी त मरितू अय, पर परमेसर के बरदान हमर परभू मसीह यीसू म सदाकाल के जनिगी अय।

बहिाव के उदाहरन

7 हे भाईमन! का तुमन नई जानव, मेंह ओमन ला कहत हंव, जऊन मन मूसा के कानून ला जानथें—कि जब तक मनखे ह जीयत रहथि, तब तक ओकर ऊपर कानून के अधिकार रहथि? 2उदाहरन के रूप म—एक बहिाता माईलोगन कानून के दुवारा अपन घरवाला ले बंधे रहथि जब तक कि ओकर घरवाला जीयत रहथि, पर यदि ओकर घरवाला ह मर जावय, त ओ माईलोगन ह बहिाव के कानून ले छूट जाथे। 3यदि ओ माईलोगन ह अपन घरवाला के जीयत-जीयत, कोनो आने मनखे ले बहिाव कर लेथे, त ओला छनार कहे जाही। पर यदि ओकर घरवाला ह मर जावय, त ओ माईलोगन ह कानून के बंधना ले छूट जाथे। तब यदि ओह कोनो आने मनखे ले बहिाव घलो कर लेथे, तभो ले ओला छनार नई कहे जावय।

4अइसनेच, हे भाईमन हो! तुमन घलो मसीह के देह के जरयि कानून बर मर गे हवव, ताकी ओ आने के हो जावव, जऊन ह मेरे म ले जी उठसि कि हमन परमेसर बर फर लानन। 5जब हमन हमर पापमय देह के अधीन रहें, त पापमय लालसा कानून के दुवारा पैदा होवय अऊ हमर देहें म काम करय, जेकर परतफिल मरितू रहिसि। 6पर अब हमन कानून ले छूट गे हवन, अऊ जेकर बंधना म हमन रहें, ओकर बर मर गे हवन, ताकि लिखित कानून के पुराना रीति म नई, पर पबतिर आतमा के नवां रीति के मुताबकि सेवा करन।

मूसा के कानून अऊ पाप

7तब हमन का कहन? का मूसा के कानून ह पाप अय? बलिकुल नई! वास्तव म, कानून के बगिर, मेंह पाप ला नई जाने रहतिव। काबरकी यदि कानून ह नई कहतिसि कि

“लालच झन कर”, त लालच का ए, मेंह नई जानतेंव। 8पर पाप ह हुकूम के दुवारा दयि गय मऊका ला लीस अऊ मोर भीतर म जम्मो कसिम के लालच ला पैदा करसि, काबरकी बगिर कानून के पाप ह मुरदा अय। 9एक समय, मेंह बगिर कानून के जीयत रहेंव, पर जब हुकूम ह आईस, त पाप ह जीवति हो गीस अऊ मेंह मर गेंव। 10अऊ ओही हुकूम जऊन ला जनिगी बर लाने गे रहिसि, मोर बर मरितू के कारन बनसि। 11काबरकी पाप ह हुकूम के दुवारा दयि गय मऊका ला पाके, मोला धोखा दीस, अऊ हुकूम के जरयि मोला मार डारसि। 12एकरसेति, कानून ह पबतिर अय, अऊ हुकूम ह घलो पबतिर, धरमी अऊ बने अय।

13त कानून जऊन ह कबिने अय, का ओह मोर बर मरितू के कारन होईस? बलिकुल नई। एह एकरसेति होईस ताकी पाप ह पाप के रूप म पहचाने जावय। पाप ह ओकर जरयि मोर बर मरितू लानसि, जऊन ह बने अय, ताकी हुकूम के दुवारा पाप ह बहुते पापमय ठहरिय।

14हमन जानथन कि मूसा के कानून ह आतमकि अय; पर मेंह संसारकि मनखे अंव अऊ गुलाम के रूप म पाप के हांथ म बेंचे गे हवव। 15जऊन काम मेंह करथंव, मेंह ओला नई समझंव। काबरकी जऊन बुता ला, मेंह करे बर चाहथंव, ओला नई करंव, पर जऊन चीज ले मोला घनि आथे, ओहीच ला करथंव। 16अऊ यदि मेंह ओ बुता ला करथंव, जऊन ला मेंह नई चाहंव, त मेंह ए बात ला मान लेथंव कि मूसा के कानून ह सही अय। 17त अइसने दसा म, ओ चीज ला करइया, सही म मेंह नो हंव, पर जऊन पाप मोर म बसे हवय, ओह अय। 18मेंह जानथंव कि मोर म याने कि मोर पापी सरीर म एको ठन बने चीज नई ए। काबरकी जऊन ह सही अय, ओला करे के ईछा तो मोर म हवय, पर ओला मेंह नई करंव। 19काबरकी जऊन भलाई करे के मेंह ईछा करथंव, ओला नई करंव, पर जऊन बुरई के ईछा मेंह नई करंव, ओहीच ला करते रहथिव। 20एकरसेति यदि

मेंह ओ बुता ला करथं, जऊन ला मेंह नई चाहंव, त ओकर करइया मेंह नो हंव, पर ओकर करइया ओ पाप ए, जऊन ह मोर म बसे हवय।

21तब मेंह ए कानून ला काम करत पाथंव: जब मेंह भलाई करे चाहथं, तभेच बुरई ह मोर करा आथे। 22मेंह अपन अंतस म परमेसर के कानून ले खुस रहथिं, 23पर मेंह अपन देहें म एक आने कानून ला काम करत देखथं, जऊन ह मोर बुद्धी के कानून ले लड़थे अऊ एह मोला पाप के कानून के गुलाम बनावे, जऊन ह मोर देहें के अंग म बसे हवय। 24मोर कइसे दयनीय दसा हवय! मोला कोन ह मरितू के ए देहें ले छोड़ाही? 25परमेसर के धनबाद होवय, जऊन ह हमर परभू यीसू मसीह के जरयि छोड़ाथे। एकरसेती तब, मेंह खुद अपन मन म परमेसर के कानून ला मानथं, पर अपन पापमय सुभाव म पाप के कानून ला मानथं।

पबतिर आतमा के जरयि जनिगी

8 एकरसेती, अब जऊन मन मसीह यीसू के अंय, ओमन बर दंड के हुकूम नई होवय। 2काबरकी, जनिगी देवइया पबतिर आतमा के कानून ह मसीह यीसू के दुवारा मोला, पाप अऊ मरितू के कानून ले सुतंतर कर दे हवय। 3काबरकी जऊन बुता ला मूसा के कानून ह हमर पापी सुभाव के कारन कमजोर होके नई कर सकसि; ओ बुता ला परमेसर ह अपन खुद के बेटा ला पठोके करसि, जऊन ह पापी मनखे के रूप म संसार म आईस अऊ अपन-आप ला हमर खातिर पाप बली के रूप म चघाईस। अऊ ए किसिम ले परमेसर ह पापी मनखे म पाप ला सजा दीस, 4ताकी मूसा के कानून के धरमीपन के मांग ह हमन म पूरा होवय, जऊन मन पापी सुभाव के मुताबकि नई, पर पबतिर आतमा के मुताबकि जनिगी बताथन।

5जऊन मन सारीरकि ईछा के मुताबकि जनिगी बताथे, ओमन ह सरीर के बात म अपन चति लगाथें, पर जऊन मन पबतिर आतमा के मुताबकि चलथें, ओमन पबतिर

आतमा के बात म चति लगाथें। 6सरीर के ऊपर चति लगई ह मरितू अय, पर पबतिर आतमा के ऊपर चति लगई ह हमन ला जनिगी अऊ सांति देथे, 7काबरकी जऊन ह सरीर के बात म चति लगाथे, ओह परमेसर ले बईरता रखथे। ओह परमेसर के कानून ला नई मानय; वास्तव म ओह अइसे कर ही नई सकय। 8जऊन मन अपन सरीर के बात ला मानथें, ओमन परमेसर ला खुस नई कर सकय।

9पर यदा परमेसर के आतमा ह तुमन म बसथे, त तुमन पबतिर आतमा के चलाय चलथव, अपन सरीर के चलाय नई। अऊ यदा काकरो करा मसीह के आतमा नई ए, त ओह मसीह के नो हय। 10पर यदामसीह तुम्हर जनिगी म हवय, त तुम्हर सरीर ह पाप के कारन मर गे हवय, पर तुम्हर आतमा ह धरमीपन के कारन जीयत हवय। 11परमेसर जऊन ह यीसू ला मरे म ले जियाईस, यदा ओकर आतमा तुमन म रहथे, त ओ जऊन ह मसीह ला मरे म ले जियाईस, ओह तुम्हर नासमान सरीर ला घलो अपन आतमा के दुवारा जनिगी दाही अऊ ए आतमा ह तुमन म बसे हवय।

12एकरसेती, हे भाईमन हो! हमर बर ए जरूरी अय कहिमन अपन सरीर के सुभाव के मुताबकि जनिगी झन बतावन। 13काबरकी यदा तुमन सरीर के सुभाव के मुताबकि जनिगी बताथव, त मरहू, पर यदा पबतिर आतमा के दुवारा तुमन सरीर के काममन ला मारथव, त तुमन जीयत रहिहू। 14जऊन मन परमेसर के आतमा के अगुवई म चलथें, ओमन परमेसर के संतान अंय। 15काबरकी तुमन ला गुलामी के आतमा नई मलि हवय कि तुमन फेर डर म पड़व; पर तुमन ला पबतिर आतमा मलि हवय, जऊन ह तुमन ला परमेसर के संतान बनावे। अऊ ओकरे दुवारा हमन परमेसर ला ए कहकि पुकारथन, “हे अब्बा, हे ददा!” 16पबतिर आतमा ह खुद हमर आतमा के संग गवाही देथे कि हमन परमेसर के संतान अन। 17अऊ यदा हमन परमेसर के संतान अन, त हमन परमेसर के

वारिस अऊ मसीह के संगी वारिस अन; यदा हमन ओकर दुःख म भागी होथन, त ओकर महिमा म घलो भागी होबो।

भवसिय के महिमा

18मेंह ए समझथंन कि जऊन महिमा हमर ऊपर परगट होही, ओकर तुलना म, हमर अभी के दुःख ह कुछू नो हय। 19ए सरिसिटी ह बड़े आसा भरे नजर ले परमेसर के बेटामन (संतानमन) के परगट होय के बाट जोहथे। 20काबरका ए सरिसिटी ला बेकार कर दयि गीस, अऊ एह एकर खुद के ईछा ले नई, पर परमेसर के ईछा ले ए आसा म करे गीस, 21कि सरिसिटी ह खुद बनिास के अपन गुलामी ले छुटकारा पावय अऊ परमेसर के लइकामन के महिमा के सुतंतरता के भागीदार होवय।

22हमन जानथन कि जम्मो सरिसिटी ह अभी तक ले छुवारी होय के पीरा सही कल्हरत हवय। 23अऊ सरिपि सरिसिटी ही नई, पर हमन करा पबतिर आतमा के पहिली फर हवय अऊ हमन खुदे भीतरे-भीतर कल्हरत हवन, अऊ ए बात के बाट जोहथन कि परमेसर ह हमन ला अपन बेटा के रूप म गोद लही, याने कि हमन ला हमर सरीर ले छुटकारा दही। 24काबरका ए आसा म हमर उद्धार होय हवय, पर जऊन चीज के हमन आसा करथन, यदा ओह हमन ला देखि जावय, त ओ आसा के अंत हो जाथे। कोनो मनखे कोनो अइसने चीज के आसा नई करय, जऊन ह पहिली ले ओकर करा हवय। 25पर यदा हमन ओ चीज के आसा करथन, जऊन ह हमर करा नई ए, त हमन धीर धरके ओकर बर बाट जोहथन।

26ओही किसिम ले, पबतिर आतमा ह हमर दुर्बलता म हमर मदद करथे। हमन नई जानन कि हमन ला कइसने पराथना करना चाही, पर पबतिर आतमा ह खुद अइसने कल्हर-कल्हर के बनिती करथे, जेकर बयान नई करे जा सकय। 27अऊ जऊन ह (परमेसर) मनखेमन के हरिदय ला जांचथे, ओह जानथे कि पबतिर आतमा के का मनसा

हवय, काबरका पबतिर आतमा ह परमेसर के मनसा के मुताबकि पबतिर मनखेमन बर बनिती करथे।

28हमन जानथन कि जऊन मन परमेसर ले मया करथे अऊ ओकर ईछा के मुताबकि बलाय गे हवय, ओमन बर परमेसर ह जम्मो बात म भलाई पैदा करथे। 29काबरका जऊन मन ला परमेसर ह पहिली ले जानत हवय, ओमन ला ओह चुने घलो हवय कि ओमन ओकर बेटा के सरूप म होवय अऊ ओकर बेटा ह बहुते भाईमन म पहिलांत ठहरिय। 30अऊ जऊन मन ला ओह चुन लीस, ओमन ला ओह बलाईस घलो; अऊ जऊन मन ला ओह बलाईस, ओमन ला धरमी घलो ठहराईस; अऊ जऊन मन ला ओह धरमी ठहराईस, ओमन के महिमा घलो करसि।

31तब एकर बारे म हमन का कहन? यदा परमेसर ह हमर संग हवय, त हमर बरिधी कोन हो सकथे? 32जऊन ह अपन खुद के बेटा ला घलो नई रख छोंडसि, पर हमन जम्मो के खातिर ओला दे दीस; त ओह हमन ला अपन बेटा संग अऊ जम्मो चीज काबर नई दही? 33ओमन ऊपर कोन दोस लगाही, जऊन मन ला परमेसर ह चुने हवय? एह परमेसर अय, जऊन ह ओमन ला धरमी ठहराथे। 34ओह कोन ए, जऊन ह सजा देथे? एह मसीह यीसू अय, जऊन ह मर गीस अऊ मरे म ले जी उठसि अऊ ओह परमेसर के जेवनी हांथ कोर्ता हवय, अऊ हमर बर बनिती घलो करत हवय। 35तब कोन ह हमन ला मसीह के मया ले अलग कर सकथे? का संकट या बिपत्ती या सतावा या अकाल या गरीबी या जोखिम या तलवार के भय? 36जइसने कि परमेसर के बचन म लिखि हवय:

“तोर बर, हमन दिन भर मरितू के जोखिम म रहथिन, हमन ओ भेड़ सही समझे जाथन,
जऊन मन के बध होवइया हवय।”

37ए जम्मो चीज म, हमन मसीह यीसू के जरथि बजियी होथन, जऊन ह हमर ले मया

करसि। 38काबरका मोला पूरा भरोसा हवय किन तो मरितू न जनिगी, न स्वरगदूतमन, न परेत आतमामन, न तो बरतमान न भवसिय, न कोनो सकृत्, 39न तो ऊंचई न गहरिई अऊ न जम्मो सरिसिटी म कोनो आने चीज हमन ला परमेसर के मया ले अलग कर सकथे, जऊन ह हमर परभू मसीह यीसू म हवय।

परमेसर अऊ ओकर चुने मनखेमन

9 मेंह मसीह म होके सच कहत हंव; मेंह लबारी नई मारत हंव। मोर बचिक घलो पबतिर आतमा म होके गवाही देवत हवय-2कामोला बहुते दुःख हवय अऊ मोर हरिदय ह हमेसा दुःख ले भरे हवय। 3मेंह चाहत रहेव कि मोर भाईमन बर जऊन मन मोर खुद के बंस के अंय, ओमन के हति म मेंह खुदे सरापति हो जातैव अऊ मसीह ले अलग हो जातैव। 4ओमन इसरायली मनखे अंय। परमेसर ह ओमन ला गोद लेके बेटा बनाईस; ओमन के ऊपर महिमा परगट करसि; ओमन के संग करार करसि; ओमन ला मूसा के कानून दीस। ओमन ला बताईस कि मंदिर म ओकर अराधना कइसने करे जावय अऊ ओह ओमन ले परतगियां करसि। 5कुल के मुखियामन एमन के पुरखा रहिनि अऊ मसीह ह मनखे के रूप म एमन के बंस ले आईस, जऊन ह जम्मो के ऊपर परमेसर अय, ओकर परसंसा सदा होवय! आमीन।

6अइसने नो हय कि परमेसर के बचन ह सच नई होईस। काबरका ओ जम्मो, जऊन मन इसरायल के बंस म जनम ले हवंय, जम्मो के जम्मो इसरायली नो हंय, 7अऊ ओ जम्मो अब्राहम के संतान नो हंय, जऊन मन ओकर बंस म जनम लीन, काबरका परमेसर के बचन ह कहथि, “इसहाक के जरयि तोर बंस चलही।” 8एकर मतलब ए अय कि मनखे के ईछा के मुताबिक जनमे लइकामन परमेसर के संतान नो हंय, पर परमेसर के परतगियां के मुताबिक जनमे लइकामन सही बंसज समझे जाथें। 9काबरका परमेसर के बचन म ए किसिम ले परतगियां के बचन कहे

गे हवय, “सही समय म, मेंह फेर आहूं, अऊ सारा ह एक बेटा ला जनम दर्ही।”

10अऊ सरिपि अतका ही नई, पर रबिका के दूनो लइकामन के एके ददा रहिसि, याने कि हमर पुरखा इसहाक। 11पर जब ओ जुड़वां लइकामन जनमे घलो नई रहिनि अऊ कुछू भला-बुरा घलो नई करे रहिनि, तभे रबिका ला ए कहे गीस, “बड़े ह छोटे के सेवा करही।” एह एकरसेती होईस ताकि परमेसर के चुनाव के उदेस्य ह बने रहय, 12अऊ एह ओमन के कुछू करम के कारन नई, पर परमेसर के बुलाहट के कारन होईस। 13जइसने कि परमेसर के बचन म लिखे हवय, “याकूब ले मेंह मया करैव पर एसाव ला अपूरय जानैव।”

14तब हमन का कहन? का परमेसर ह अनयाय करथे? बलिकुल नई! 15काबरका ओह मूसा ले कहसि,

“जेकर ऊपर मेंह दया करे चाहंव,
ओकर ऊपर दया करहूं, अऊ जेकर
ऊपर मेंह तरस खाय चाहंव,
ओकर ऊपर तरस खाहूं।”

16एकरसेती एह मनखे के ईछा या काम के ऊपर नरिभर नई करय, पर परमेसर के दया ऊपर नरिभर करथे। 17काबरका परमेसर के बचन म फरीन राजा ला ए कहे गे हवय, “मेंह तोला एकरसेती राजा बनाय हवंव कि मेंह तोर ऊपर अपन सकृत् ला देखावंव अऊ धरती के जम्मो मनखेमन मोला जानंय।” 18एकरसेती परमेसर ह जेकर ऊपर दया करे चाहथे, ओकर ऊपर दया करथे, अऊ जेकर हरिदय ला कठोर करे चाहथे, ओला कठोर कर देथे।

19तब तुमन ह मोला कहहि, “त फेर परमेसर ह मनखे ऊपर काबर दोस लगाथे? कोन ह ओकर ईछा के बरिध कर सकथे?”

20हे मनखे! तेंह कोन अस कि परमेसर ला जबाब देथस? का गढ़े गे चीज ह अपन गढ़इया ला कहे सकथे, “तेंह मोला अइसने काबर बनाय हवस?” 21का कुम्हार ला ए अधिकार नई ए कि माटी के एके लोदा ले,

ओह एक बरतन ला बसिस उपयोग खातरि अऊ दूसर बरतन ला सधारन उपयोग खातरि बनावय?

22 एह कोनो अचरज के बात नो हय, यदा परमेसर ह अपन कोरोध अऊ सकृति देखाय के ईछा करसि अऊ ओमन ला बड़े धीर धरके सहसि जऊन मन कोरोध के पात्र रहिनि अऊ बनिास खातरि बनाय गे रहिनि। 23 एह कोनो अचरज के बात नो हय, यदा परमेसर ह ए करे के दुवारा, अपन बड़े महिमा ओमन ला देखाय चाहसि, जऊन मन दया के पात्र रहिनि अऊ महिमा के खातरि पहिली ले तयार करे गे रहिनि। 24 अऊ त अऊ हमन ला घलो ओह बलाईस, न सरिपि यहूदी जात म ले, पर आनजात म ले घलो बलाईस। 25 जइसने कि ओह होसे के किताब म कहथि:

“जऊन मन मोर मनखे नो हय, ओमन ला मेंह अपन मनखे कहहिं;
अऊ जऊन ह मोर मयारू नो हय, ओला मेंह अपन मयारू कहहिं,”

26 अऊ,

“जऊन जगह म ओमन ला ए कहे गे रहिसि,
‘तुमन मोर मनखे नो हव, ओही जगह म,
ओमन ला जीयत परमेसर के संतान कहे जाही।’ ”

27 यसायाह अगमजानी ह इसरायलीमन के बारे म पुकारके कहथि,

“हालाकि इसरायलीमन के गनती ह समुंदर के बालू सही होही,
पर ओम ले थोरकन मनखे ही बंचाय जाहीं।

28 काबरकि परभू ह अपन फैसला ला धरती म जल्दी अऊ कड़ई से लागू करही।”

29 जइसने कि यसायाह अगमजानी ह पहिली कहे रहिसि:

“यदा सर्वसकृतिमान परभू ह हमर बर बंस ला नई छोड़े होतिसि,
त हमन सदोम अऊ अमोरा सहर मन सहीं पूरापूरी नास हो गे रहतिन।”

इसरायलीमन के अबसिवास

30 तब, हमन का कहन? कि आनजात के मनखे जऊन मन परमेसर के धरमीपन के खोज नई करत रहिनि, ओमन धरमीपन ला पा गीन, याने कि ओ धरमीपन जऊन ह बसिवास करे के दुवारा मलिथे। 31 इसरायलीमन ओ धरमीपन के खोज मूसा के कानून ला माने के आधार म करनि, पर ओ धरमीपन ओमन ला नई मलिसि। 32 ओमन ला काबर नई मलिसि? काबरकि ओमन ओ धरमीपन के खोज बसिवास के दुवारा नई, पर अपन काम के आधार म करनि। ओमन “ठोकर के पथरा” म हपट के गरिनि। 33 जइसने कि परमेसर के बचन म लिखे हवय:

“देखव, मेंह सयोन म एक पथरा मंदावत हवंव,
जऊन ह मनखे के ठोकर खाय के अऊ गरि के कारन होही।
पर जऊन ह ओकर ऊपर बसिवास करथे, ओकर ऊपर कभू कलंक नई लगयत।”

10 हे भाईमन हो! इसरायलीमन बर मोर दिलि के ईछा अऊ परमेसर ले पराथना हवय कि ओमन उद्धार पावय। 2 काबरकि मेंह ओमन बर गवाही दे सकथंव कि ओमन के हरिदय म परमेसर खातरि उत्साह हवय, पर ओमन के उत्साह ह गयान के ऊपर अधारित नई ए। 3 ओमन ओ बात ला नई जाननि कि कइसने परमेसर ह मनखे ला धरमी बनाथे, पर ओमन मूसा के कानून ला माने के दुवारा खुद धरमी बने के कोसिस करनि। ओमन परमेसर के मुताबकि धरमी बने नई चाहनि। 4 मसीह ह मूसा के कानून के अंत अय, ताकि जऊन कोनो ओकर ऊपर बसिवास करय, ओह परमेसर के नजर म धरमी ठहरय।

5 कानून ला माने के दुवारा जऊन धरमीपन

होथे, ओकर बारे म मूसा ह ए किसिम ले लिखिथे, “जऊन मनखे कानून के पालन करही, ओह एकर दुवारा जीयत रहिही।” 6पर जऊन धरमीपन ह बसिवास ऊपर आधारित अय, ओकर बारे म ए कहे गे हवय, “तुमन अपन हरिदय म ए झन कहव, कि स्वर्ग ऊपर कोन जाही।” (कि ओह मसीह ला उहां ले उतार लानय), 7या अइसने घलो झन कहव, “गहरिई म कोन उतरही।” (कि ओह मसीह ला मरे म ले जियाके ऊपर लानय)। 8पर ओम ए घलो लिखाय हवय: “परमेसर के बचन ह तोर लकठा म हवय; एह तोर मुहूं म अऊ तोर हरिदय म हवय।” एह ओही बसिवास के बचन अय, जेकर परचार हमन करथन। 9यदि तेंह अपन मुहूं ले कबूल करथस कि यीसू ह परभू अय अऊ अपन हरिदय म बसिवास करथस कि परमेसर ह ओला मरे म ले जियाईस, त तेंह उद्धार पाबे। 10काबरका मनखे ह अपन हरिदय म बसिवास करे के दुवारा परमेसर के नजर म सही ठहरिथे अऊ मुहूं ले कबूल करे के दुवारा उद्धार पाथे। 11परमेसर के बचन ह ए कहथि, “जऊन कोनो ओकर (यीसू) ऊपर बसिवास करही, ओला लज्जति होय बर नई पड़ही।” 12यहूदी अऊ आनजात म कोनो फरक नई ए। ओही परभू ह जम्मो झन के परभू अय, अऊ ओह ओमन ला बहुते आससि देथे, जऊन मन ओकर नांव लेथें, 13काबरका “हर ओ मनखे जऊन ह परभू के नांव लेथे, ओह उद्धार पाही।”

14पर जब ओमन ओकर ऊपर बसिवास नई करे हवय, त ओकर नांव कइसने ले सकथें? अऊ ओमन ओकर ऊपर कइसने बसिवास कर सकथें, जब ओमन ओकर बारे म कभू नई सुने हवय? अऊ ओमन ओकर बारे म कइसने सुनय, जब तक कि कोनो ओमन ला नई बतावय? 15अऊ ओमन ओकर परचार कइसने कर सकथें, जब तक ओमन ला पठोय नई जावय? जइसने कि परमेसर के बचन म लिखि हवय, “कतेक सुघर होथे ओमन के अवई ह, जऊन मन सुघर संदेस लेके आथें।”

16पर जम्मो इसरायलीमन सुघर संदेस ला नई माननि। यसायाह अगमजानी ह कहे हवय, “हे परभू! कोन ह हमर संदेस ऊपर बसिवास करसि?” 17बसिवास ह संदेस के सुने ले होथे, अऊ संदेस के सुनई ह मसीह के बचन ले होथे। 18पर मेंह पुछत हंव—का ओमन नई सुनिनि? ओमन जरूर सुनिनि; काबरका परमेसर के बचन म लिखि हवय:

“ओमन के अवाज ह जम्मो धरती म,
अऊ ओमन के बचन ह संसार के छोर
तक हबर गे हवय।”

19मेंह फेर पुछत हंव—का इसरायलीमन नई समझनि? पहिली मूसा ह कहसि,

“जऊन मन जाती नो हंय, ओमन के
दुवारा मेंह तुमन म जलन पैदा
करहूं,
एक मुख जाती के दुवारा, मेंह तुमन म
कोरोध पैदा करहूं।”

20यसायाह अगमजानी ह बहुत हम्मत के संग कहथि,

“जऊन मन मोला नई खोजत रहनि,
ओमन मोला पा गीन,
अऊ जऊन मन मोर बारे म पुछत घलो
नई रहनि,
ओमन ऊपर मेंह अपन-आप ला परगट
करेंव।”

21पर इसरायलीमन के बारे म, ओह कहथि,

“मेंह दिन भर अइसने मनखेमन कोती
अपन हांथ ला ओमन के सुवागत
खातरि पसारे रहेंव,
जऊन मन हुकूम मनइया नो हंय अऊ
ढीठ अंय।”

इसरायलीमन ऊपर परमेसर के दया

11 तब मेंह ए पुछत हंव, का परमेसर ह अपन मनखेमन ला तयाग दीस? बलिकुल नई! मेंह खुद एक इसरायली मनखे अंव, अऊ मेंह अब्राहम के बंस अऊ बनियामीन के गोत्र के अंव। 2परमेसर ह

अपन मनखेमन ला नई तयागे हवय, जऊन मन ला ओह सुरू ले चुनसि। का तुमन नई जानव की परमेसर के बचन ह एलियाह अगमजानी के बारे म का कहथि? ओह इसरायलीमन के बरिध म परमेसर ले बनिती करसि: 3“हे परभू, ओमन तोर अगमजानीमन ला मार डारनि अऊ तोर बेदीमन ला गरि दे हवय। सरिपि मेंह भर बांचे हवंव, अऊ ओमन मोला घलो मार डारे के कोससि म हवय।” 4अऊ परमेसर ह ओला का जबाब दीस? ओह कहसि, “मेंह अपन बर सात हजार मनखेमन ला बचाके रखे हवंव, जऊन मन बाल देवता के आघू म माड़ी नई टेके हवय।” 5एही कसिम ले, ए समय म घलो कुछू मनखेमन बांचे हवय, जऊन मन परमेसर के अनुग्रह के दुवारा चुने गे हवय। 6अऊ यदि एह परमेसर के अनुग्रह ले होईस, त फेर एह बने करम करे के आधार म नो हय। यदि एह बने करम करे के आधार म होतसि, त फेर अनुग्रह के कोनो मतलब नई होतसि।

7तब एकर का मतलब ए? इसरायली मनखेमन जेकर खोज म रहनि, ओह ओमन ला नई मलिसि, पर ओह चुने गय मनखेमन ला मलिसि। आने मनखेमन के हरिदय ला कठोर करे गीस, 8जइसने की परमेसर के बचन म लिखे हवय:

“परमेसर ह ओमन के बुद्धि ला जड़ कर दे हवय,

ओह ओमन ला अइसने आंखी दे हवय, जऊन ह देखय नई,

अऊ अइसने कान दे हवय,

जऊन ह सुनय नई; ओमन के दसा आज तक अइसनेच हवय।”

9अऊ दाऊद राजा ह कहथि,

“ओमन के भोजन ह ओमन बर फांदा

अऊ जाल बन जावय;

ओह ओमन बर ठोकर अऊ सजा के कारन बन जावय।

10ओमन के आंखी म अंधियार छा जावय, ताकी ओमन इन देख सकय,

अऊ ओमन के कनहिं ह सदाकाल बर मुड़ जावय।”

कलम करके लगाय डंगाली

11मेंह फेर पुछत हंव, का इसरायलीमन एकरसेति ठोकर खाईन की ओमन हमेसा के खातिर गरि पड़य? बलिकुल नई! पर इसरायलीमन के पाप के कारन आनजातमन ला उद्धार मलिसि की इसरायलीमन ला जलन होवय। 12यदि इसरायलीमन के पाप ह संसार बर आससि लानथे, अऊ ओमन के नुकसान ह आनजातमन बर आससि के कारन बनथे, त फेर जब जम्मो इसरायलीमन परमेसर करा लहुंटे के आहीं, त आनजातमन ला अऊ कतेक आससि मलिही।

13अब मेंह तुमन ले गोठियावत हंव, आनजातमन हो! जब तक मेंह तुमन खातिर प्रेरति अंव, तब तक मेंह अपन सेवा ला बढ़ावत हंव, 14ताकी कोनो भी कसिम ले, मेंह अपन यहूदी मनखेमन म जलन पैदा करंव अऊ ओम के कुछू इन के उद्धार होवय। 15काबरकी यदि ओमन के तयागे जवई ह परमेसर के संग संसार के मेल मलिाप के कारन बनसि, त ओमन के गरहन करे जवई के मतलब ओमन बर जनिगी होही, जऊन मन मर गे हवय। 16यदि पहिली फर के रूप म, परमेसर ला चघाय गुंथे पसिान के कुछू भाग ह पबतिर अय, त फेर जम्मो गुंथे पसिान ह घलो पबतिर अय, अऊ यदि रूख के जरी ह पबतिर अय, त फेर ओ रूख के डंगालीमन घलो पबतिर अय।

17यदि जैतून रूख के कुछू डंगालीमन ला टोर देय गे हवय; अऊ ओमन के जगह म, तुमन ला जऊन मन जंगली जैतून रूख के पीका सहीं अव, जोड़े गे हवय अऊ तुम्हर पालन-पोसन ओ जैतून रूख के जरी ले होवत हवय, याने कितुम आनजातमन यहूदीमन के आससि म भागीदार हो गे हवय, 18त ओ डंगाली ऊपर घमंड इन कर। यदि तेंह घमंड करथस, त ए बात ला सुरता रख की तेंह जरी ला नई संभाले हवस, पर जरी ह तोला संभाले हवय। 19तब तेंह कहबि, “डंगालीमन ला

टोरे गीस ताका मेंह ओमन के जगह म जोड़े जावंव।” 20एह सही ए। ओमन ला ओमन के अबसिवास के कारन टोरे गीस, पर तेंह बसिवास के दुवारा ओम बने हवस। एकरसेती, घमंड इन कर, पर परमेसर के भय मानके चल। 21काबरका यदा परमेसर ह यहूदीमन ला नई छोड़िसि, जऊन मन असली डंगाली अंय, त ओह तोला घलो नई छोड़िय।

22एकरसेती, परमेसर के दया अऊ कठोरता के बारे म सोच। जऊन मन गरि गीन, ओमन ऊपर ओह कठोरता देखाईस, पर तोर ऊपर ओह दया देखाईस, त तेंह ओकर दया म बने रह। नई तो ओह तोला घलो काटके अलग कर दीही। 23अऊ यदा ओ यहूदीमन अपन अबसिवास ला छोड़ देथें, त ओमन घलो जोड़े जाहीं, काबरका परमेसर करा ओमन ला फेर जोड़े के सामरथ हवय। 24जब तुम आनजातमन सुभाव ले जंगली जैतून के डंगाली अव, अऊ सुभाव के उल्टा, तुमन ला काटके असली जैतून रूख म जोड़े गे हवय, त फेर ए यहूदी जऊन मन सुभावकि डंगाली अंय, अपन ही जैतून रूख म काबर अऊ बने ढंग ले जोड़े नई जाही?

जम्मो इसरायलीमन बंचाय जाहीं

25हे भाईमन हो, अइसन इन होवय कि तुमन घमंडी हो जावव, एकरसेती मेंह चाहत हंव कि तुमन ए भेद ला जानव: जब तक आनजात म ले चुने जम्मो मनखेमन परमेसर करा नई आ जावय, तब तक इसरायलीमन के एक भाग ह अइसनेच अपन हरिदय ला कठोर बनाय रखही। 26अऊ ए किसिम ले जम्मो इसरायलीमन उद्धार पाहीं, जइसने परमेसर के बचन म लिखे हवय:

“मुक्ती देवइया ह सयोन ले आही;
ओह याकूब के बंस ले अभक्ती ला
दूरहा कर दीही।

27अऊ ओमन के संग मोर ए करार होही,
जब मेंह ओमन के पाप ला दूरहा कर
दूहूँ।”

28जहां तक सुघर संदेस के बात ए, त ओमन तुम्हर हति म परमेसर के बईरी अंय;

पर जहां तक चुने गय मनखेमन के बात ए, त ओमन अपन पुरखामन के कारन परमेसर के मयारू अंय। 29काबरका जब परमेसर ह कोनो ला बरदान देथे अऊ चुनथे, त ओह अपन बचाव ला फेर नई बदलय। 30एक समय रहिसि, जब तुम आनजातमन परमेसर के हुकूम ला नई मानेव, पर अब यहूदीमन के दुवारा हुकूम नई माने के कारन, तुम्हर ऊपर परमेसर के दया होईस। 31तुम्हर ऊपर परमेसर के दया होय के कारन अब यहूदीमन परमेसर के हुकूम नई मानथें, ताका ओमन के ऊपर घलो परमेसर के दया होवय। 32काबरका परमेसर ह जम्मो मनखेमन ला हुकूम नई माने के पाप म बांधके रखे हवय ताका ओह जम्मो इन के ऊपर दया देखावय।

परमेसर के इस्तुती

33अहा! परमेसर के धन, बुद्धि अऊ गयान ह कतेक अथाह अय! ओकर सहीं नयाय कोनो नई कर सकय,

अऊ ओकर काम करे के तरफि ला कोनो नई जान सकय!

34“परभू के मन के बचाव ला कोनो नई जान सकय।

अऊ कोनो ओला सलाह देय के लइक नो हय।”

35“आज तक परमेसर ला कोनो कुछ नई दे हवय कि परमेसर ह ओला वापसि देवय।”

36काबरका जम्मो चीज ह परमेसर ले आय हवय, अऊ ओकर दुवारा बनाय गे हवय अऊ ओकर खातरि बनाय गे हवय।

ओकर महिमा सदाकाल तक होवत रहय! आमीन।

परमेसर के सेवा म जनिगी

12 एकरसेती, हे भाईमन हो! परमेसर के दया के कारन, मेंह तुम्हर ले बनिती करत हंव कि अपन-आप ला जीयत

बलदान के रूप म परमेसर ला दे देव अऊ अपन-आप ला नसिकलंक बनाके परमेसर के अइसने सेवा करव की ओह खुस होवय—एहीच ह परमेसर बर तुम्हर सही अराधना अय। 2तुमन ए संसार के मनखेमन सहीं झन बनव, पर तुमन के मन ह नवां हो जाय के कारन, तुम्हर चाल-चलन घलो बदल जावय। तब तुमन परमेसर के ओ ईछा ला परखके जान सकहू जऊन ह बने, मन-भावन अऊ सदिध अय।

3परमेसर के दुवारा मोला दिये गय अनुग्रह के कारन, मेंह तुमन जम्मो झन ला ए कहत हंव: अपन-आप ला जतेक समझना चाही, ओकर ले जादा झन समझव, पर परमेसर के दुवारा देय गय बसिवास के तदाद के मुताबकि अपन-आप ला समझव। 4जइसने हमर एक देहें हवय अऊ ओकर बहुते अंग हवय अऊ हर एक अंग के अलग-अलग काम हवय। 5वइसने, हालांकि हमन बहुते हवन, पर मसीह म हमन एक देहें के सहीं अन अऊ हर एक सदस्य एक-दूसर ले जुड़े हवन। 6परमेसर के दुवारा दिये गय अनुग्रह के मुताबकि हमन ला अलग-अलग किसिम के बरदान मिले हवय। जऊन ला अगमबानी करे के बरदान मिले हवय, त ओह परमेसर म अपन बसिवास के मुताबकि ओकर उपयोग करय। 7कहूं कोनो ला सेवा करे के बरदान मिले हवय, त ओह सेवा करय। जऊन ला सकिछा देय के बरदान हवय, ओह सखोय म लगे रहय। 8जऊन ला उत्साहति करे के बरदान मिले हवय, ओह आने मन ला उत्साहति करय। जऊन ला दान देय के बरदान मिले हवय, त ओह दिल खोलके दान करय। जऊन ला अगुवाई करे के बरदान हवय, त ओह उत्साह से अगुवाई करय, अऊ जऊन ला दया करे के बरदान मिले हवय, ओह खुसी से आने ऊपर दया करय।

मया

9आने मन ला नसिकपट मया करव। बुरई ले घनि करव; भलाई करे म लगे रहव। 10भाई के सहीं मया करत एक-दूसर बर समर्पति

रहव। एक-दूसर ला अपन ले बढ़के आदर देवव। 11काम-बुता करे म अलाली झन करव; पर परभू के सेवा उत्साह से करव। 12परभू के ऊपर आसा म आनंदति रहव; दुःख तकलीफ के समय धीरज धरे रहव; पराथना म हमेसा लगे रहव। 13परमेसर के मनखेमन ला, ओमन के जरूरत के मुताबकि मदद करव, अऊ पहुनई करे म लगे रहव। 14जऊन मन तुमन ला सताथें, ओमन ला आससि देवव, हां! आससि देवव, सराप झन देवव। 15आनंद मनइयामन के संग आनंद मनावव अऊ रोवइयामन के संग रोवव। 16एक-दूसर के संग संगती रखव; घमंडी झन बनव, पर दीन-हीन मन के संग संगती रखव; अपन नजर म बुद्धिमान झन बनव। 17कहूं कोनो तुम्हर बुरई करथे, त बदले म, ओकर बुरई झन करव। ओ काम करे के कोससि करव, जऊन ला जम्मो झन सहीं समझथें। 18जहां तक हो सकय, तुमन जम्मो झन के संग सांति के साथ रहे के भरसक कोससि करव। 19हे मोर संगवारीमन! काकरो ले बदला झन लेवव, पर एला परमेसर के ऊपर छोड़ देवव; परमेसर के कोरोध ओकर ऊपर भड़कही। काबरकी परमेसर के बचन म ए लिखे हवय, “परभू ह कहथि, ‘बदला लेय के काम मोर अय, मेंह बदला लूहूं।’” 20परमेसर के बचन म ए घलो लिखे हवय,

“यदी तोर बईरी ह भूखा हवय,
त ओला खाना खवा, यदी ओह
पियासा हवय, त ओला पानी
पीया,
काबरकी तोर अइसने करे ले, ओह
लज्जति होही।”

21बुरई ले झन हारव, पर भलाई करे के दुवारा बुरई ला जीत लेवव।

अधिकारीमन के अधीन रहई

13 हर एक मनखे सासन करइया अधिकारीमन के अधीन रहय, काबरकी परमेसर कोर्ता ले अधिकार दिये जाथे। अभी जऊन अधिकार हवय, ओह परमेसर के दुवारा दिये गे हवय। 2एकरसेति,

जऊन ह अधिकार के बरिध करथे, ओह परमेसर के ठहराय अधिकार के बरिध करथे अऊ अइसने मनखे ह अपन ऊपर दंड लानथे। 3जऊन ह सही काम करथे, ओकर ऊपर अधिकारी के भय नई रहय, पर जऊन ह गलत काम करथे, ओकर ऊपर अधिकारी के डर बने रहथि। का तुमन अधिकारी के भय ले मुक्त होय चाहथव? त फेर सही काम करव अऊ ओह तुम्हर बड़ई करही। 4काबरका ओह तुम्हर भलाई खातर परमेसर के सेवक अय। पर यदा तुमन गलत करथव, त ओकर ले डरव, काबरका ओला बेकार म अधिकार नई दयि गे हवय। ओह परमेसर के दास ए अऊ कुकरमीमन ला दंड देखे। 5एकरसेर्ता, न सरिपि दंड ले बांचे खातर, पर अपन बविक के खातर घलो, अधिकारीमन के अधीन रहना जरूरी अय।

6एकरे कारन, तुमन लगान घलो पटाथव, काबरका अधिकारीमन परमेसर के सेवक अंय, जऊन मन अपन पूरा समय अइसने काम बर देखें। 7हर ओ मनखे के चुकता कर देवव, जेकर तुमन लगत हवव; जऊन ला लगान पटाना हवव, ओला लगान पटावव; जऊन ला मालगुजारी देना हवव, ओला मालगुजारी देवव; जेकर ले डरना चाही, ओकर ले डरव अऊ जेकर आदरमान करना चाही, ओकर आदरमान करव।

एक-दूसर बर जमिमेदारी

8आपस म मया रखव अऊ मया के छोड़ अऊ कोनो चीज म काकरो करजदार इन बनव। जऊन ह अपन संगी मनखे ला मया करथे, ओह मूसा के कानून ला मनइया समझे जाथे। 9“छिनारी इन करव,” “हतिया इन करव,” “चोरी इन करव,” “लालच इन करव।” ए हुकूम अऊ जऊन आने हुकूम हवंय, ए जम्मो के सार ए अय: “अपन पड़ोसी ले अपन सहीं मया कर।” 10जऊन ह मया करथे ओह अपन पड़ोसी के कोनो नुकसान नई करय। एकरसेर्ता, जऊन ह मया करथे, ओह मूसा के कानून ला पूरा करथे।

11अभी के समय ला जानके, तुमन

अइसनेच करव। तुम्हर नींद ले जागे के बेरा ह आ गे हवय। काबरका जब हमन यीसू के ऊपर पहिली बसिवास करे रहें, ओ समय के बनसिपत अब हमर उद्धार ह अऊ लकठा म हवय। 12रात ह लगभग बीत गे हवय, अऊ दिन ह नकिरइया हवय। एकरसेर्ता, आवव, हमन अंधियार के गलत काममन ला छोड़ देवन अऊ अंजोर के हथियारमन ला बांध लेवन। 13जइसने दिन के समय उचिति ए, आवव, हमन सही चाल-चलन म रहन अऊ अपन-आप ला रंगरेली, पयिक्कड़पन, छिनारी, दुराचार, लड़ई-झगरा, अऊ जलन ले दूरहा रखन। 14तुम्हर चाल-चलन ह परभू यीसू मसीह के चाल-चलन सहीं होवय अऊ तुमन अपन पापी हरिदय के ईछा ला पूरा करे के बचार ला छोड़ देवव।

नरिबल अऊ बलवान

14 जऊन ह बसिवास म कमजोर हवय, ओला अपन संगती म ले लव, पर ओकर अलग बचार के ऊपर ओकर संग बहस इन करव। 2एक इन बसिवास करथे की ओह जम्मो चीज ला खा सकथे, पर जऊन मनखे ह बसिवास म कमजोर हवय, ओह सोचथे की सरिपि साग-भाजी खाना उचिति ए। 3जऊन मनखे ह जम्मो चीज ला साथे, ओह साग-भाजी खवइया ला तुछ इन समझय, अऊ जऊन ह सरिपि साग-भाजी साथे, ओह जम्मो चीज खवइया मनखे ला दोसी इन ठहरावय, काबरका परमेसर ह ओला गरहन करे हवय। 4तेंह कोन अस की आने के सेवक ऊपर दोस लगाथस? ओह सफल होथे या असफल हो जाथे, ए बात ओकर मालकि ले संबध रखथे। अऊ ओ सेवक ह बसिवास म बने रहिही, काबरका परभू ह ओला बसिवास म स्थिर कर सकथे।

5कोनो मनखे ह एक दिन ला आने दिन ले जादा महत्व के समझथे, त कोनो मनखे ह जम्मो दिन ला एके बरोबर समझथे। हर एक मनखे ला अपन सोच के बारे म नसिचय होना चाही। 6जऊन ह कोनो दिन ला बसिस दिन समझथे, त ओह परभू बर अइसने समझथे।

जऊन ह कुछू चीज ला खाथे, त ओह परभू के आदर म खाथे, काबरकी ओह परमेसर ला धनबाद देके खाथे, अऊ जऊन ह कुछू चीज ला खाय म परहेज करथे, ओह परभू के आदर म अइसने करथे अऊ परमेसर ला धनबाद देथे। 7काबरकी हमन ले कोनो न तो अपन खातरि जीथे, अऊ न कोनो अपन खातरि मरथे। 8यदि हमन जीयत हवन, त परभू खातरि जीयत हवन, अऊ यदि हमन मरथन, त परभू के खातरि मरथन। एकरसेती चाहे हमन जीयन या मरन, हमन परभू के अन।

9मसीह ह एकर कारन मरसि अऊ फेर जी उठसि की ओह जीयत अऊ मरे दूनों मनखेमन के परभू होवय। 10तब तुमन काबर अपन भाई ऊपर दोस लगाथव? या अपन भाई ला काबर कुछ समझथव? हमन जम्मो झन ला परमेसर के आघू म ठाढ़ होना पड़ही, जिहां ओह हमर नियाय करही। 11काबरकी परमेसर के बचन म ए लिखे हवय,

“परभू ह कहथि, ‘मोर जनिगी के कसम—हर एक मनखे ह मोर आघू म माड़ी टेकही,
अऊ हर एक मनखे ह परमेसर ला मानही।’”

12एकरसेती, हमन ले हर एक झन परमेसर ला अपन काम के लेखा-जोखा दही।

आने मन के पाप म पड़े के कारन झन बनव

13एकरसेती, हमन एक-दूसर के ऊपर दोस झन लगावन। पर अपन मन म, ए ठान लेवन की हमन न तो अपन भाई के रसता म कोनो बाधा डालन अऊ न ही ओकर पाप म पड़े के कारन बनन। 14मेंह जानत हंव अऊ परभू यीसू के संगती म रहे के कारन मोला पूरा बसिवास हवय की कोनो चीज ह अपन-आप म असुध नई होवय। पर कहूँ कोनो मनखे कोनो चीज ला असुध समझथे, त फेर ओकर बर ओह असुध अय। 15कहूँ तेंह कुछू अइसने खाना खाथस, जेकर ले तोर भाई ह उदास होथे, त फेर तेंह अपन भाई ले मया नई करथस। अइसने खाना ला झन खा, जऊन ह

कोनो मनखे के पाप म पड़े के कारन बनथे, जेकर बर मसीह ह मरसि। 16जऊन बात ला तुमन सही समझथव, ओकर बारे म कोनो मनखे ला खराप गोठियाय के मऊका झन देवव। 17काबरकी परमेसर के राज ह खाना अऊ पीना नो हय, पर एह धरमीपन, सांती अऊ आनंद के बात अय, जऊन ह पबतिर आतमा ले मलिथे। 18जऊन ह अइसने मसीह के सेवा करथे, ओकर ले परमेसर ह खुस होथे अऊ मनखेमन घलो ओला सही समझथे।

19एकरसेती हमन ओ बातमन के ऊपर ध्यान लगावन, जेकर ले सांती होथे अऊ एक-दूसर के चाल चलन ह सुधरथे। 20भोजन के खातरि परमेसर के काम ला झन बगाड़व। वास्तव म, जम्मो भोजन ह सुध अय, पर यदि कोनो मनखे ह अइसने चीज ला खाथे, जऊन ला देखके आने मनखे ह पाप म गरिथे, त ओ खवइया ह गलत करथे। 21बने तो ए होतसि की तुमन न तो मांस खावव, अऊ न ही मंद पीयव, अऊ न ही अइसने कोनो काम करव, जेकर ले तुम्हर भाई ह पाप म गरिय।

22अइसने चीजमन के बारे म, तोर जऊन बसिवास हवय, ओला अपन अऊ परमेसर के बीच म रहन दे। धइन ए ओ मनखे, जऊन ह कोनो चीज ला सही समझथे अऊ ओकर बारे म अपन-आप ला दोसी नई मानय। 23पर जऊन ह कुछू चीज ला दुगधा करके खाथे, त ओला परमेसर ह दोसी ठहरिथे, काबरकी ओह बसिवास के संग नई खावय; अऊ हर ओ काम जऊन ह बसिवास के संग नई करे जावय, ओह पाप अय।

15 हमन ला जऊन मन बसिवास म मजबूत हवन, ओमन के कमजोरी ला सहन करना चाही, जऊन मन बसिवास म कमजोर हवय अऊ हमन ला अपन-आप ला खुस नई करना चाही। 2हमन ले हर एक झन ला अपन पड़ोसी ला खुस करना चाही, ताकी ओकर भलाई होवय अऊ ओह बसिवास म बढ़य। 3काबरकी मसीह ह अपन-आप ला खुस नई करसि, पर जइसने की परमेसर के

बचन म लखि हवय, “मनखेमन तोर जऊन बेजत्ती करनि, ओ बेजत्ती ह मोर ऊपर आ गीस।” 4परमेसर के बचन म जऊन बातमन पहिली ले लखि गे हवय, ओमन हमर सकिछा बर अंय, ताका हमन धीरता अऊ बचन के उत्साह के जरयि मसीह यीसू के आसा म बने रहन।

5परमेसर जऊन ह हमन ला धीरज अऊ उत्साह देथे, तुमन ला अइसने आतमा देवय का तुमन मसीह यीसू के हुकूम ला मानत एकता म बने रहव, 6ताका एक संग तुमन एक स्वर म हमर परभू यीसू मसीह के ददा परमेसर के इसतुर्ता कर सकव।

7जइसने मसीह ह तुमन ला परमेसर के महिमा खातिर गरहन करसि, वइसने तुमन घलो एक-दूसर ला गरहन करव। 8काबरका मेंह तुमन ला बतावत हंव का मसीह ह परमेसर के सचूचई ला परगट करे बर यहूदीमन के सेवक बनसि, ताका ओह परमेसर के दुवारा हमर पुरखामन ला दयि गय परतगियिं ला पूरा करय, 9अऊ आनजातमन के ऊपर परमेसर के दया होवय अऊ ओमन परमेसर के महिमा करंय, जइसने का परमेसर के बचन म लखि हवय:

“एकरसेता आनजातमन के बीच म,
मेंह तोर महिमा करहुं, अऊ तोर नांव
के भजन गाहूं।”

10परमेसर के बचन म ए घलो कहे गे हवय,

“हे आनजातमन,
तुमन परमेसर के मनखेमन के संग
आनंद मनावव।”

11परमेसर के बचन म ए घलो कहे गे हवय,

“हे आनजात के जम्मो मनखेमन,
परभू के इसतुर्ता करव; अऊ तुमन
जम्मो इन ओकर परसंसा करव।”

12अऊ यसायाह अगमजानी ह कहे हवय,

“यसि के बंस म ले एक इन आही;
ओह जम्मो जाती के मनखेमन ऊपर
राज करे बर उठही

अऊ आनजातमन ओकर ऊपर अपन
आसा रखहीं।”

13परमेसर जऊन ह आसा देथे, तुम्हर बसिवास के कारन तुमन ला पूरा आनंद अऊ सांती ले भर देवय, ताका पबतिर आतमा के सामरथ के दुवारा मसीह म तुम्हर आसा अऊ बढ़ते रहय।

आनजातमन के सेवक—पौलुस

14हे मोर भाईमन हो! मोला पूरा बसिवास हवय का तुमन म भलाई के बात भरे हवय अऊ तुम्हर करा परमेसर के बारे म जम्मो गयान हवय अऊ तुमन एक-दूसर ला सखिय के काबलि हवव। 15पर कुछ बातमन ला मेंह फेर सुरता कराय बर तुमन ला बड़े हम्मत के साथ लखि हवव। परमेसर ह मोला अनुग्रह दीस, 16का आनजातमन बर मेंह मसीह यीसू के सेवक बनव अऊ एक पुरोहित के रूप म परमेसर के सुघर संदेस के परचार करंव, ताका आनजातमन परमेसर ला गरहन योग्य अइसने बलदान बन जावय, जऊन ह पबतिर आतमा के दुवारा सुध करे गे हवय।

17तब मेंह मसीह यीसू के संगता म रहकि परमेसर बर मोर जऊन सेवा हवय, ओकर ऊपर घमंड कर सकत हंव। 18जऊन काम ला मसीह मोर जरयि करे हवय, ओकर छोंड़ मेंह अऊ कोनो बसिय म गोठियि के हम्मत नई करंव। मसीह ह आनजातमन ला परमेसर करा लाने बर मोर उपयोग करसि—ओह ए बुता ला मोर बचन अऊ काम के दुवारा करसि; 19मोर दुवारा पबतिर आतमा के सामरथ म चनिहां अऊ चमतकार होईस। ए किसिम ले, मेंह यरूसलेम सहर ले लेके इल्लुरकुम प्रदेश तक, मसीह के सुघर संदेस के पूरा परचार करे हवव। 20एह हमेसा मोर ईछा अय का मेंह सुघर संदेस के परचार उहां करंव, जहां मनखेमन मसीह के बारे म नई सुने हवय। मेंह नई चाहथंय का जहां सुघर संदेस के परचार हो गे हवय, उहां जाके मेंह कलीसिया के इस्थापना करंव। 21पर जइसने परमेसर के बचन म लखि हवय,

“जऊन मन ला ओकर सुघर संदेस के

परचार नईं करे गीस, ओमन
ओकर दरसन करहीं,
अऊ जऊन मन सुघर संदेस नईं सुने
हवय, ओमन समझहीं।”

22एकरे कारन कतको बार ले बाधा डाले
गीस अऊ मेंह तुम्हर करा नईं आ सकयं।

रोम देस जाय बर पौलुस के योजना

23पर अब, ए इलाका म मोर काम करे
बर अऊ कोनो जगह नईं बचे हवय। कतेक
साल ले तुम्हर करा आय के मोर मन हवय,
24एकरसेती जब मेंह स्पेन देस जाहूँ, त
तुम्हर इहां ले होवत जाहूँ। मोला आसा
हवय की तुम्हर संग कुछू समय बिताने
मोला आनंद मलिही, अऊ तुमन आघू के
मोर यातरा म मदद करहूँ। 25अभी तो मेंह
संतमन के सेवा करे बर यरूसलेम सहर
जावत हंव। 26काबरकी मकदिनिया अऊ
अखया के कलीसिया के मनखेमन ला ए
बने लगसि की यरूसलेम के गरीब संतमन
बर कुछू दान पठोवय। 27ओमन दान पठोके
खुस हवय अऊ वास्तव म, ओमन यरूसलेम
के संतमन के करजदार अयं। काबरकी जब
आनजातमन यहूदीमन के आतमकि आससि
म भागीदार होय हवय, त आनजातमन बर ए
उचिति अय की ओमन अपन संसारकि धन
के दुवारा यहूदीमन के मदद करयं। 28ए बुता
ला पूरा करके अऊ ए चंदा ला ओ गरीब
संतमन ला देके, उहां ले स्पेन देस जाहूँ, अऊ
उहां जावत बेरा डहार म तुम्हर करा आहूँ।
29मोला बसिवास हवय की जब मेंह तुम्हर
करा आहूँ, त मसीह के जम्मो आससि के
संग आहूँ।

30हे भाईमन हो! हमर परभू यीसू मसीह
अऊ पबतिर आतमा के मया के सुरता कराके,
मेंह तुम्हर ले बनिती करत हंव की मोर
खातरि परमेसर ले पराथना करे म उत्साह
के संग मोर साथ देवव। 31पराथना करव
की मोला यहूदिया प्रदेस म अबसिवासीमन
ले कोनो हाना झन होवय, अऊ जऊन सेवा,
मेंह यरूसलेम म करव ओकर ले उहां के
संतमन खुस होवय। 32तब परमेसर के ईछा

के मुताबकि, मेंह तुम्हर करा आ सकव
अऊ तुम्हर संगती पाके तरो-ताजा होवव।
33सांती के देवइया परमेसर तुमन जम्मो झन
संग रहय। आमीन।

पौलुस के जोहार

16 मेंह हमर बहनी फीबे बर तुम्हर
ले बनिती करत हंव, जऊन ह
कखिया के कलीसिया म सेवा करत हवय।
2परभू म एक संत सही ओला गरहन करव
अऊ यदी ओला कोनो चीज के जरूरत हवय,
त ओम ओकर मदद करव, काबरकी ओह
कतको मनखेमन के मदद करे हवय अऊ
संग म मोर घलो मदद करे हवय।

3 प्रसिकलिला अऊ अक्विला ला
मोर जोहार दे दव; मसीह यीसू के
सेवा करे म ओमन मोर सहकरमी
अयं। 4ओमन मोर खातरि अपन
जान ला जोखिम म डार दे
रहिनि। ओमन ला सरिपि में ही
नईं, पर आनजातमन के जम्मो
कलीसियामन घलो धनबाद देवत
हवय।

5 ओ कलीसिया ला घलो मोर जोहार
कहव, जऊन ह ओमन के घर म
जुरथे।

मोर मयारू संगी इपैनुस ला मोर
जोहार कहव, जऊन ह एसिया
प्रदेस म सबले पहली मसीह के
ऊपर बसिवास करसि।

6 मरियम ला जोहार दे दव, जऊन ह
तुम्हर खातरि कठनि महिनत करे
हवय।

7 अन्दरुनीकुस अऊ यूनियास ला
मोर जोहार मलिय। ओमन मोर
रसितेदार अय अऊ ओमन मोर संग
जेल म रहिनि। प्रेरितमन म ओमन
नामी अय अऊ ओमन मोर ले
पहली मसीह के ऊपर बसिवास
करनि।

8 अम्पलियातुस ला जोहार कहव, जऊन
ह परभू म मोर मयारू ए।

- 9 उरबानुस ला मोर जोहार मलिय, जऊन ह मसीह के सेवा म मोर सहकरमी अय, अऊ मोर मयारू संगी इस्तखुस ला मोर जोहार कहव।
- 10 अपल्लिसेस ला जोहार कहव, जेकर मसीह म बसिवास ह साबति हो गे हवय।
अरसितुबुलस के घराना ला मोर जोहार कहव।
- 11 मोर रसितेदार हेरोदयोन ला मोर जोहार।
नरकीसुस के घराना के जऊन मन परभू के ऊपर बसिवास करथें, ओमन ला मोर जोहार।
- 12 तुरफेना अऊ तुरफोसा ला मोर जोहार मलिय। ए माईलोगनमन परभू खातरि कठनि महिनत करथें।
आने माईलोगन परिससि ला मोर जोहार।
ओह मोर मयारू संगी ए अऊ परभू खातरि अब्बड़ महिनत करे हवय।
- 13 रूफुस ला मोर जोहार कहव, जऊन ला परभू ह चुने हवय, अऊ ओकर दाई ला जऊन ह मोर दाई सहीं अय, ओला मोर जोहार।
- 14 असुक्रतिस, फलिगोन, हरिमेस, पत्रुबास, हरिमास अऊ जऊन भाईमन ओमन के संग हवय ओ जम्मो झन ला मोर जोहार।
- 15 फलिलुगुस, यूलिया, नेरयुस, अऊ ओकर बहनी अऊ उलुम्पास अऊ जम्मो संत, जऊन मन एमन के संग हवय, ओमन ला मोर जोहार कहव।
- 16 पबतिर चूमा लेके एक-दूसर ला जोहार करव।
इहां मसीह के जम्मो कलीसियामन तुमन ला जोहार कहथें।
- 17 हे मोर भाईमन हो! मेंह तुम्हर ले बनिती करत हंव कि तुमन ओ मनखेमन ले सचेत रहव, जऊन मन तुम्हर बीच म फूट डारथें अऊ तुम्हर आतमकि जनिगी के

बढ़ोतरी म बाधा डारथें। एह ओ सकिछा ले मेल नई खावय, जऊन ह तुमन ला दयि गे हवय। अइसने मनखेमन ले दूरहिर रहव।
18 काबरका अइसने मनखेमन हमर परभू यीसू मसीह के सेवा नई करय, पर एमन अपन खुद के ईछा ला पूरा करथें। एमन गुरतुर बोली अऊ चापलूसी करके सीधा-सादा मनखेमन ला भरमा देथें। 19 तुमन के, परभू यीसू के हुकूम माने के चरचा ह जम्मो मनखेमन के बीच म बगर गे हवय, एकरसेती मेंह तुम्हर बारे म बहुत आनंदति हंव। पर मेंह चाहत हंव कि तुमन बुद्धिमिनी के संग दूसर के भलाई करव अऊ अपन-आप ला बुरई करे ले दूरहिर रखव।

20 सांती देवइया परमेसर ह जल्दी सैतान ला तुम्हर गोड़ खाल्हे कुचरही।

हमर परभू यीसू के अनुग्रह तुम्हर ऊपर होवत रहय।

21 मोर सहकरमी तीमथियुस ह तुमन ला जोहार कहत हवय अऊ वइसने मोर रसितेदार लूकियुस, यासोन अऊ सोसीपत्रुस घलो तुमन ला जोहार कहत हवय।

22 में, तरितियुस ए चिट्ठी के लिखइया तुमन ला परभू म जोहार कहत हंव।

23 गयुस, जेकर पहुनई के, में अऊ जम्मो कलीसिया आनंद उठाथन, ओह तुमन ला जोहार कहथे।

इरासतुस, जऊन ह सहर म मनखेमन ले संबंधति काम के संचालक ए, ओह अऊ हमर भाई क्वारतुस घलो तुमन ला जोहार कहत हवय। 24 हमर परभू यीसू के अनुग्रह, तुमन जम्मो झन ऊपर होवय। आमीन।

परमेसर के महिमा

25 ओ परमेसर के इस्तुती होवय, जऊन ह तुमन ला मसीह के बसिवास म मजबूत कर सकथे—यदितुमन मोर दुवारा सुनाय गय यीसू मसीह के सुघर संदेस के ऊपर बसिवास करहू त। परमेसर के उद्धार के योजना के भेद ह कतेक जुग ले छपि रहिसि, 26 पर अब अनादि-अनंत परमेसर के हुकूम के मुताबकि, अगमजानीमन के लिखे बचन के जरयि, एह

परगट होईस अऊ एला संसार के जम्मो जात
के मनखेमन ला बताय जावत हवय, ताका
ओमन मसीह ऊपर बसिवास करय अऊ
ओकर हुकूम ला मानय। 27 सरिपि परमेसर
एके झन बुद्धिमान ए; ओकर महिमा यीसू
मसीह के जरिये सदाकाल तक होवत रहय।
आमीन।

a 12 “नास होही” के मतलब अय—
ओमन परमेसर के दुवारा सदाकाल बर
दंड पाहीं। b 14 जऊन मनखे अवइया
रहिसि, ओह मसीह अय। c 32 ए पद म

“ओकर के पथरा” के मतलब अय—यीसू
मसीह। d 33 यरूसलेम ह यहूदी राज
के खास सहर ए। ए सहर ह सयोन पहाड़
ऊपर बसे हवय। यरूसलेम सहर म परमेसर
के मंदिर रहिसि। परमेसर के बचन म
“सयोन” के मतलब कभू “यरूसलेम”, त
कभू “इसरायल के मनखे” हो सकथे। इहां,
ए पद म सयोन के मतलब “इसरायल के
मनखे” अय। e 26 ए पद म “सयोन”
के मतलब अय—“इसरायल के मनखेमन”।